● वर्ष-4
● अंक-130
रायपुर, शुक्रवार
10 जनवरी 2025
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» कम से कम खर्च में घूमने....

हिंदू स्थलों पर मस्जिदों का निर्माण 'घाव': योगी

हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल में शाही जामा मस्जिद विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। इसके साथ ही उन्होंने अदालत के आदेश वाले सर्वेक्षण का जोरदार बचाव किया, ताकि दावों का पता लगाया जा सके कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने मस्जिद निर्माण के लिए हिंदू धार्मिक स्थलों पर कब्जे को एक घाव बताया और दावा किया कि इसकी सर्जरी की आवश्यकता है नहीं तो यह कैंसर में बदल सकती है।

नवंबर में 16वीं सदी की मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण संभल में हिंसक झड़पें हुईं। पाँच लोग मारे गए और लगभग 20 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। योगी ने कहा कि मैं किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हूं और उस जगह का सम्मान करता हूं जहां लंबे समय से प्रार्थनाएं होती रही हैं। लेकिन अगर किसी समुदाय का प्रार्थना स्थल टूट जाता है तो इसकी कड़ी आलोचना की जानी चाहिए। देखिए कैसे संभल का इस्लामीकरण कर दिया गया है। हमारे धर्म के सभी चिन्हों को नष्ट कर दिया गया है, ढक दिया गया है और ठोस बना दिया गया है। 2017 से पहले वहां लगातार दंगे हुए। योगी ने साफ तौर पर कहा कि सर्जरी एक बार होगी और उस सर्जरी के लिए हमें तैयार रहना होगा। सनातन धर्म के ऐतिहासिक महत्व

पर प्रकाश डालते हुए, योगी ने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए इसे दुनिया का सबसे पुराना विश्वास होने का दावा किया। उन्होंने बताया कि हजारों साल पहले लिखे गए हिंदू साहित्य में विष्णु के दसवें अवतार कल्कि के भविष्य के अवतार का उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत का ऋषि सदैव ज्ञान की उस धारा का प्रतिनिधित्व करता रहा है, जिसने समय-समय पर देश को नेतृत्व दिया, नई दिशा दी और आगे बढ़ने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन तो हमेशा शिखर पर ही रहा है, इसलिए सनातन है...हिंदू एकता और राष्ट्रीय एकता एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह वक्फ बोर्ड है या भू-माफियाओं का बोर्ड है। एक-एक इंच लैंड वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने श्री अयोध्या धाम के वासियों के साथ सौतेला व्यवहार किया है।

मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

उत्तर प्रदेश के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद की प्रबंधन समिति ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और जिला मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की कि मस्जिद की सीढ़ियों या प्रवेश द्वार के पास स्थित निजी कुएं के संबंध में यथास्थिति बनाए रखी जाए। एएनआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, समिति ने शीर्ष अदालत से आग्रह किया कि वह डीएम को कुएं की जांच के संबंध में कोई कदम न उठाने और इस अदालत की उचित अनुमति के बिना संरचना के बाहर निर्मित कुएं को न खोलने का निर्देश दे। संभल में अदालत के आदेश पर जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा में कम से कम चार लोग मारे गए। सर्वेक्षण स्थानीय अदालत में कुछ व्यक्तियों द्वारा दायर एक याचिका के बाद किया गया, जिसमें दावा किया गया था कि मस्जिद का स्थान पहले एक हरिहर मंदिर था, जो भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि को समर्पित था, और 1526 में मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया था। जिला प्रशासन, संभल शहर में पुराने मंदिरों और कुओं को पुनर्जीवित करने के लिए एक कथित अभियान चला रहा है, रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि कम से कम 32 पुराने अप्रयुक्त मंदिरों को पुनर्जीवित किया गया है।

जनता-जनार्दन का विश्वास फिर अर्जित करेंग- प्रदेश प्रभारी

पंचायत से संसद तक भाजपा हो-नितिन

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जो सपना है पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भाजपा का परचम फहराने का, आगामी नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में हम सब उस सपने को साकार करने संकल्पित हैं। श्री नवीन ने कहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में जैसी प्रचंड जीत छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली, जनता-जनार्दन का वही विश्वास निस्संदेह हम फिर अर्जित करेंगे।

भाजपा प्रदेश प्रभारी नवीन ने पार्टी के कोर ग्रुप की बैठक के बाद कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि अब कार्यकर्ताओं को नेतृत्वकर्ता बनाने की प्रक्रिया में नगरीय निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव है। पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक भाजपा का झंडा लहराने के अपने संकल्प की पूर्ति का सबसे स्वर्णिम अवसर निकाय व पंचायत चुनाव

के रूप में हमारे सामने है।

श्री नवीन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस प्रकार से 1 साल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार में जनता से जुड़े हुए हर मुद्दे को उन्होंने पूरा किया, चाहे गरीबों को प्रधानमंत्री आवास देने का हो, चाहे महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों को लाभ देने का हो, चाहे किसानो की बात हो, चाहे मजदूरों की बात हो। हर क्षेत्र को ध्यान में रखना चाहिए, हर चीज को ध्यान में रखकर चाहे युवाओं की बात हो युवाओं के जो मुद्दे थे, उसके लिए भी प्रदेश की भाजपा सरकार ने काम किया तो युवा महिला मजदूर किसान हर वर्ग को और जो गरीब प्रधानमंत्री आवास के लाभार्थी हैं। सब वर्ग के लोगों को अगर किसी ने एड्रेस किया मात्र 1 साल में तो विष्णुदेव साय की सरकार ने किया है।

श्री नवीन ने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ में यह त्रि-स्तरीय पंचायत व निकाय चुनाव का जब आने वाले दिनों में आगाज होगा तो निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता, नेतृत्वकर्ताओं की पूरी टीम उनके साथ खड़ी होगी। इससे पहले भाजपा कोर कमेटी सदस्यों मंत्रिमंडल व महामंत्रियों की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश प्रभारी नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा सहित समस्त मंत्रीगण व कोर कमेटी सदस्य उपस्थित थे।

नगरीय निकायों को दी सात हजार करोड़ रूपए: मुख्यमंत्री

भाजपा का नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव सम्मेलन हुआ संपन्न

रायपुर। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ के नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के आरक्षण को खामी रहित और बेहतर करने का प्रयास किया है। प्रदेश भर के नगरीय निकाय क्षेत्रों के विकास के लिए सात हजार करोड़ से ज्यादा की राशि की स्वीकृति दी है। प्रदेश का ऐसा कोई निकाय नहीं है, जहाँ कम से कम दो सौ करोड़ रुपए के विकास कार्यों का

लोकार्पण या भूमिपूजन न हुआ हो। नगरीय निकाय और त्रि-स्तरीय पंचायत का महत्वपूर्ण चुनाव हमारे सामने है। यह 1.70 लाख से भी ज्यादा हमारे कार्यकर्ताओं का चुनाव है। उन कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने का चुनाव है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आहूत नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री श्री साय कहा कि प्रदेश के पंचायतों में भी विकास हो रहा है, महतारी सदन बनवा रहे हैं। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, प्रधानमंत्री आवास, की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज जो वादा मोदी की गारंटी में हमारी पार्टी ने किया था, वह हमने सरकार में आते ही पूरा किया। अभी कल केंद्रीय पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री आवास की बड़ी सौगात देने वाले हैं। प्रदेश सरकार के सर्वतोमुखी विकास कार्यों को चुनाव के समय में बताने की आवश्यकता है।

सीएम साय ने कहा कि जहां तक धान खरीदी की बात है,प्रदेश सरकार धान खरीदी पूर्ण होने के बाद धान के अंतर की राशि एकमुश्त प्रदेश के 27 लाख किसानों के खातों में भेजेगी। उन्होंने कहा कि रोजगार की बात भी हमने की थी तो आज विभिन्न विभागों में भर्ती भी हो रही है।

महाकुंभ क्षेत्र में शंकराचार्यों का भव्य प्रवेश, दर्शन के लिए उमड़ा जन सैलाब

महाकुंभनगर। सनातन धर्म के ध्वज वाहक अखाड़ों के बाद महाकुम्भ क्षेत्र में शंकराचार्यों का प्रवेश होना शुरु हो गया है. ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की प्रवेश मंगलम यात्रा के दौरान दर्शन के लिए जन आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा. संगम तीरे बसे महाकुम्भ नगर में सनातन धर्म की सभी धाराओं और सम्प्रदाय का संगम हो रहा है. सनातन के ध्वज वाहक अखाड़ों के बाद अब शंकराचार्यों का प्रवेश भी महाकुम्भ नगर में हो गया है।.

प्रमुख समाचार

प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ मनाने की तैयारी में मंदिर ट्रस्ट

अयोध्या।अयोध्या राम मंदिर में राम लला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की तैयारी कर रही है। समारोह 11 से 13 जनवरी तक होंगे और इसमें आम लोग और वीआईपी दोनों शामिल होंगे। उत्सव में राम कथा, सांस्कृतिक प्रदर्शन और दैनिक अनुष्ठान शामिल होंगे, जिसमें हजारों उपस्थित

लोगों के लिए एक बड़ा मंडप और यज्ञशाला स्थापित की जाएगी। उन वीआईपी लोगों को निमंत्रण भेजा गया है जो पिछले समारोह में शामिल नहीं हुए थे और जनता को भी आध्यात्मिक कार्यक्रम देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 11 जनवरी को %अभिषेक% करेंगे और समारोह का लक्ष्य सभी के लिए एक भव्य आध्यात्मिक अनुभव होना है। दिर ट्रस्ट के अनुसार, करीब 110 आमंत्रित वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। अंगद टीला स्थल पर एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया गया है, जिसमें 5,000 लोगों तक की मेजबानी की जा सकती है। आम लोगों को भव्य कार्यक्रमों को देखने का अवसर मिलेगा, जिसमें मंडप और यज्ञशाला में प्रतिदिन आयोजित होने वाले शास्त्रीय सांस्कृतिक प्रदर्शन, अनुष्ठान और राम कथा प्रवचन शामिल हैं।

शिवसेना यूबीटी द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज

नईदिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बड़ी राहत देते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र विधान परिषद में 12 एमएलसी की नियुक्ति को रोकने के तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी के फैसले के खिलाफ शिवसेना यूबीटी द्वारा दायर जनहित याचिका को खारिज कर

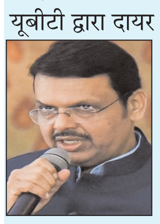

दिया। विवाद नवंबर 2020 में शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार ने एमएलसी के नामांकन के लिए 12 नामों की एक सूची की सिफारिश की। हालाँकि, तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने इन सिफारिशों पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण अवैध पॉकेट वीटो का आरोप लगा। स्थिति तब और बिगड़ गई जब 2022 में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली नई कैबिनेट ने नामांकित व्यक्तियों की लंबित सूची वापस ले ली। सुनील मोदी ने जनहित याचिका दायर की, जिसमें तर्क दिया गया कि यह वापसी एक अतिशयोक्ति थी, जिसमें राज्यपाल की निष्क्रियता और उसके बाद नए मंत्रिमंडल द्वारा नामांकन वापस लेने की वैधता को चुनौती दी गई थी।

एनडीए से नहीं टूटेगी एक भी पार्टी, बिहार में जीतेंगे: चिराग

नईदिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने गुरुवार को कहा कि बिहार में एनडीए के सभी घटक एक साल से भी कम समय में होने वाले विधानसभा चुनाव एक साथ लड़ेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद द्वारा मुख्यमंत्री को शुभकामना देने के बारे में

पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। मीडिया से बातचीत में चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए टूटकर विपक्षी गठबंधन में शामिल नहीं होगा, ऐसा नहीं होने वाला है। एक बात तो तय है कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव बिहार के पांचों घटक दल मिलकर लड़ेंगे। हम 225 से ज्यादा सीटें जीतकर बिहार में सरकार बनाएंगे। बिहार में एनडीए में मुख्यमंत्री की जेडीयू, बीजेपी, एलजेपी , केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं। इसे राजनीतिक हलकों के साथ-साथ मीडिया के एक वर्ग में, भाजपा के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक कुमार के लिए एक संकेत के रूप में देखा गया, जो 70 वर्ष के हैं।

निज्जर हत्या मामला: चार भारतीय को जमानत

ओटावा। खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में गिरफ्तार चार भारतीय नागरिकों को कनाडा की अदालत से राहत मिली है। साल 2023 के इस मामले में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने करण बराड़, कमलप्रीत

सिंह, करणप्रीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया था। अब चारों को सरे प्रांतीय न्यायालय से जमानत मिल गई है। चारों के खिलाफ अब ब्रिटिश कोलंबिया सुप्रीम कोर्ट में अगले महीने 11 फरवरी को सुनवाई होगी। चारों की जमानत के संबंध में ब्रिटिश कोलंबिया सरकार के न्याय विभाग की वेबसाइट पर जानकारी अपलोड की गई है। दस्तावेज में चारों आरोपियों की हिरासत की स्थिति के सामने एन लिखा हुआ है। करण बराड़, कमलप्रीत सिंह, करणप्रीत सिंह और अमनदीप सिंह पर फाइल नंबर 256562 के अंतर्गत कार्रवाई हो रही है। इसकी पड़ताल करने पर पता लगा कि चारों पर हत्या की साजिश और हत्या करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के रिकॉर्ड्स के मुताबिक करण और कमलप्रीत का जन्म 2001 में हुआ।

दुनिया में फार्मा हब के रूप में भारत की खास पहचान-मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट कार्यक्रम को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया। उन्होंने बताया कि आज भारत ने रिसर्च के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाया है। पांच साल पहले जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट को

मंजूरी दी गई थी। उन्होंने का कि बायोइकोनॉमी सतत विकास को गति देती है। पिछले 10 वर्षों में देश की बायोइकोनॉमी तेजी से बढ़ी है। 2014 में देश की बायोइकोनॉमी का मूल्य 10 बिलियन डॉलर था जो अब बढ़कर 150 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। भारत ने दुनिया में फार्मा हब के रूप में विशेष पहचान बनाई है। करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज दिया जा रहा है लोगों को बेहतर स्वास्थ्य ढांचा मुहैया कराया जा रहा है। कोविड-19 महामारी के दौरान जो चुनौतियां आईं हमारे वैज्ञानिकों ने इससे निपटने के लिए परियोजनाएं बना ली थी। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 20 से अधिक रिसर्च संस्थानों ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आगे कहा, जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट जैव प्रौद्योगिकी क्रांति का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

मोदी मैजिक, केजरीवाल करिश्मा और शीला की विरासत से निकलेगी भावी सियासत

विनोद अग्निहोत्री

नए साल 2025 के पहले सप्ताह में ही दिल्ली विधानसभा के चुनावों की घोषणा हो गई। दिल्ली कहने को तो अर्द्ध राज्य है जहां मुख्यमंत्री से ज्यादा उपराज्यपाल की चलती है, लेकिन दिल्ली की सियासत ऐसी है जो देश की राजनीति पर गहरा असर डालती है। 1993 में हुए दिल्ली विधानसभा के पहले चुनाव भाजपा ने जीते और 1996 में देश में पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। 1998 दिल्ली के दूसरे चुनाव में कांग्रेस ने फतह हासिल की और 2004 आते-आते केंद्र से भाजपा नेतृत्व वाली सरकार की विदाई हो गई। 2013 में दिल्ली विधानसभा में भाजपा सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई और नई नवेली आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को पीछे धकेलकर 28 सीटें जीतीं और 2014 में केंद्र से कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार का बिस्तर बंध गया।

तबसे अब तक यानी 2024 तक कांग्रेस तमाम उतार-चढ़ाव से गुजरते हुए केंद्र की सत्ता से महरूम है और अब दिल्ली में अपनी पुरानी जमीन तलाश रही है। अब 2025 के विधानसभा चुनावों में %मोदी मैजिक बनाम केजरीवाल करिश्मा बनाम शीला दीक्षित% की विरासत का मुकाबला है। पिछले करीब तीस वर्षों से दिल्ली की सत्ता से बाहर रहने के बावजूद भाजपा यहां पहले शीला दीक्षित और बाद में अरविंद केजरीवाल के मुकाबले कोई ऐसा नेता नहीं गढ़ पाई जो पार्टी का चुनावी चेहरा बनकर उसका वनवास खत्म कर सके। महारथी विजय कुमार मल्होत्रा से लेकर ईमानदार और सौम्य सहज डा. हर्षवर्धन के बाद तेज तर्रार आईपीएस किरण बेदी और फिर पूर्वांचली लोकगायक मनोज तिवारी तक सबको आजमा चुकी भाजपा इस बार भी कोई चेहरा न देकर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मैजिक के सहारे है। वहीं, मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बावजूद आम आदमी पार्टी का सारा दारोमदार अरविंद केजरीवाल के करिश्मे पर टिका है तो चेहरे और संगठन की कमी से जूझ रही कांग्रेस को 15 साल दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं शीला दीक्षित के जमाने में हुए विकास कार्यों की विरासत का ही सहारा है।

इस तिकोने मुकाबले से निकले नतीजों से ही नए साल में देश की अगली राजनीतिक तस्वीर बनेगी। अगर दिल्ली में भाजपा जीतकर अपना तीस साल का वनवास खत्म कर पाती है तो न सिर्फ भाजपा का मनोबल और बढ़ेगा बल्कि विपक्षी इंडिया गठबंधन में आपसी दोषारोपण और तकरार टूटने की हद तक भी जा सकती है, लेकिन अगर आम आदमी पार्टी अपनी सत्ता बरकरार रखती है तो देश खासकर विपक्ष की राजनीति में अरविंद केजरीवाल का कद बढ़ जाएगा और कांग्रेस पर इंडिया गठबंधन के घटक दलों का दबाव खासा बढ़ जाएगा। मुमकिन है कि तब आप, सपा, तृणमूल कांग्रेस, राजद, शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरद पवार) जैसे दल कांग्रेस पर गठबंधन की अगुआई से पीछे हटने का दबाव और बढ़ा दें। लेकिन अगर कांग्रेस अपनी सीटें और वोट प्रतिशत दहाई में कर लेती है तो न सिर्फ दिल्ली बल्कि सभी राज्यों में क्षेत्रीय दलों को उसकी अनदेखी करना मुश्किल होगा।

भारत के राजनीतिक इतिहास में बीता साल 2024 राजनीतिक उतार-चढ़ाव के लिए हमेशा इसलिए याद किया जाएगा, क्योंकि इस वर्ष हुए लोकसभा चुनावों में जहां देश में सत्ता के एकाधिकार और विपक्ष की दुर्बलता के समीकरण को बदलने का फैसला देश की जनता ने किया। वहीं उसके बाद हुए हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में जनता ने सत्ता पक्षा और विपक्ष दोनों को खुश होने और निराश होने के बराबर मौके भी दिए। लेकिन नया साल 2025 भी एनडीए और %इंडिया% गठबंधनों की सियासी परीक्षा का साल है और इस साल होने वाले दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों के नतीजे भी भविष्य की राजनीति की पटकथा लिखेंगे।

देश के चुनावी सफर में कुछ साल इसलिए याद किए जाते हैं कि उनमें कुछ ऐसा हुआ जिसने देश की राजनीति को दूर तक प्रभावित किया है। 1947 में जब देश आजाद हुआ। 1967 में जब देश में कांग्रेस का किला दरका और उत्तर भारत के कई राज्यों में गैर कांग्रेसी संविद सरकारें बनीं। 1977 में जब देश में कांग्रेस का तीस साल का निर्बाध शासन खत्म हुआ और केंद्र में पहली बार एक गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। 1984 में जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए लोकसभा चुनावों में राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस को 415 सीटों वाला अब तक का सबसे जबरदस्त बहुमत मिला। 1989 में जब कांग्रेस के बागी विश्वनाथ प्रताप सिंह प्रधानमंत्री बने। 1996 में जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी को केंद्र में सरकार बनाने का मौका मिला। 2004 जब अप्रत्याशित रूप से भाजपा को हार और कांग्रेस को चौंकाने वाली जीत मिली। 2014 जब पहली बार भाजपा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अकेले पूर्ण बहुमत पाकर केंद्र में सत्तासीन हुई और फिर 2024 जब जनता ने 2004 की तरह चौंकाते हुए भाजपा के 370 और एनडीए के चार सौ पार के नारे की हवा निकाल दी। लेकिन सरकार भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की ही बनी और नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले जवाहर लाल नेहरू के बाद दूसरे नेता हो गए।

सुकमा-बीजापुर के सीमावर्ती इलाके में जवानों के साथ मुठभेड़

सुकमा। सुकमा और बीजापुर के सीमावर्ती इलाके में एक बार फिर से पुलिस और नक्सलियों के मुठभेड़ की खबर आ रही है। डीआरजी और कोबरा के जवानों के साथ चल रहे इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने की भी खबर है। इसकी पुष्टि सुकमा एसपी किरण चौहान ने की है।

अधिकारी के अनुसार, गोलीबारी गुरुवार सुबह शुरू हुई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम सुकमा और बीजापुर जिलों की सीमा के पास एक जंगल में नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि जिला रिजर्व गार्ड, स्पेशल टास्क फोर्स और कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन-सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई) से संबंधित कर्मी ऑपरेशन में शामिल थे। फिलहाल खबर लिखे जाने तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी थी।

दो साल में छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों पर अपने सबसे घातक हमले में, नक्सलियों ने 6 जनवरी को दोपहर लगभग 2.15 बजे कुटरू पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत अंबेली गांव के पास 60-70 किलोग्राम मजबूत आईईडी का उपयोग करके एक वाहन को उड़ा दिया। आठ सुरक्षाकर्मी, प्रत्येक से चार अधिकारी ने बताया कि जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और बस्तर फाइटर्स- राज्य पुलिस की दोनों इकाइयां- जो एसयूवी में यात्रा कर रहे थे और चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जो बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 70 किमी दूर स्थित है।

पुलिस को संदेह है कि शक्तिशाली आईईडी को सुरक्षाकर्मियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग पर काफी समय पहले लगाया गया था। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने कहा कि विस्फोटक उपकरण उस समय फट गया जब दंतेवाड़ा जिले के डीआरजी जवान नक्सल विरोधी अभियान चलाकर अपने स्कॉर्पियो वाहन में लौट रहे थे।

जवानों ने दो आईईडी बरामद कर किया निष्क्रिय

बीजापुर। बीजापुर में सुरक्षाबलों और जवानों ने एक फिर से नक्सलियों के मंसूबे पर पानी फेरा है। नक्सलियों द्वारा पगडंडी रास्ते पर प्लांट की गई दो आईईडी को जवानों ने बरामद कर उसे निष्क्रिय कर दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक उसूर ब्लॉक के आवापल्ली थाना क्षेत्र में सीआरपीएफ और आवापल्ली थाना की संयुक्त पार्टी आरओपी व डिमाइनिंग ड्यूटी पर निकली थी। इस दौरान ग्राम मुरदण्डा के पास पगडंडी रास्ते पर नक्सलियों द्वारा बीयर बॉटल में लगी रखी दो आईईडी को जवानों ने बरामद किया और सुरक्षाबलों की टीम ने उसे मौके पर ही सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर दिया। जवानों की सतर्कता और सूझबूझ से समय पर आईईडी बरामद कर उसे नष्ट किया गया।

बीजापुर में पिछले कुछ दिनों से लगातार आईईडी मिल रहे हैं। नक्सलियों की यहां सीरियल आईईडी ब्लास्ट की प्लानिंग है, जिसे काफी हद तक सुरक्षा बल के जवान नाकाम कर रहे हैं।

4 जनवरी को दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में 5 नक्सली मारे गए वहीं एक जवान भी शहीद हुआ।

6 जनवरी को उसूर थाना क्षेत्र में नक्सल ऑपरेशन के लिए निकले सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन के जवानों ने 20 से 22 किलो का आईईडी रिकवर किया था। ये आईईडी नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम में रखा हुआ था। सुबह करीब साढ़े सात बजे जवानों ने आईईडी बरामद किया और उसे नष्ट किया।

बीजापुर ब्लास्ट मामले में घटना स्थल से समस्त भौतिक साक्ष्यों को एकत्रित किया जा रहा है

बीजापुर। घटना स्थल को सुरक्षित रखते हुए, घटना स्थल से समस्त भौतिक साक्ष्यों को एकत्रित किया जा रहा है.जहां पर 6 जनवरी को आईईडी ब्लास्ट में 8 जवान व एक वाहन चालक शहीद हो गए थे। विगत तीन दिनों से घटनास्थल के आस पास सुरक्षा बलों एवम गोताखोर टीम के द्वारा गहन सर्चिंग अभियान जारी था कि सर्चिंग के दौरान कल आठ जनवरी को डीआरजी बल को सिविलियन ड्राइवर तुलेश्वर राणा के पार्थिव शरीर के एक और अवशेष अंबेली नाला में मिला जिन्हें विधिक कार्यवाही तथा फॉरेंसिक कार्यवाही पूरी करने के पश्चात धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार कार्यवाही हेतु आज 9 जनवरी को परिजनों के सुपुर्द किया गया।

बता दें कि 3 जनवरी को नक्सल विरोधी सर्च अभियान में चार जिलों की डीआरजी के साथ एसटीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। 6 जनवरी को गश्त सर्चिंग से वापसी के दौरान नक्सलियों द्वारा डीआरजी दंतेवाड़ा के एक चारपहिया वाहन को आईईडी ब्लास्ट कर दिया गया था जिसमें डीआरजी दंतेवाड़ा के 8 जवान और एक सिविलियन ड्राइवर तुलेश्वर राणा शहीद हो गये थे।

वाहन चालक के शव का मिला अवशेष, परिजनों को किया गया सुपुर्द

बीजापुर जिले के कुटरू बेदरे मार्ग में स्थित अम्बेली गाँव मे हुए आईडी ब्लास्ट में 8 डीआरजी जवान के साथ ही एक सिविलियन वाहन चालक भी शहीद हो गये थे, पुलिस टीम ने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को श्रधांजलि के बाद परिजनों को सौप दिया गया था, लेकिन इस जांच के दौरान सिविलियन के शव का कुछ अवशेष सर्चिंग के दौरान जवानों को मिला, जहाँ परिजनों को सूचना देने के साथ ही सौप दिया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि जिला दंतेवाड़ा/बीजापुर के अंबेली गाँव मे आईईडी ब्लास्ट किया गया था, घटना 3 जनवरी को नक्सल विरोधी सर्च अभियान में चार जिलों की डीआरजी के साथ एसटीएफ की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में गई हुई थी, 6 जनवरी को गश्त सर्चिंग से वापसी के दौरान नक्सलियों द्वारा डीआरजी दंतेवाड़ा के एक चारपहिया वाहन को आईईडी ब्लास्ट कर दिया गया, जिसमें डीआरजी दंतेवाड़ा के 8 जवान और एक सिविलियन ड्राइवर तुलेश्वर राणा शहीद हो गये थे।

उद्योग मंत्री ने टीपी नगर जोन के चार वार्डों में रखी 82.58 लाख के कार्यों की आधारशिला

कोरबा। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 14 में चार वार्डों में कुल 82.58 लाख के कार्यों का भूमिपूजन किया।

मंत्री श्री देवांगन ने इस अवसर पर कहा कि आज टीपी नगर जोन के वार्डों को इतने कार्यों की सौगात विष्णुदेव की सरकार में मिल रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि आप लोगों से हमने जो वादा किया था उसे अक्षरस निभाने का काम मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी की सरकार में हो रहा है। आने वाले वर्षों में आपको विकास और तेज गति से दिखने लगेगी।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, वॉर्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन कोसाबाड़ी मंडल के अध्यक्ष डॉ. राजेश राठौर, कोरबा मंडल के अध्यक्ष योगेश मिश्रा, उमा भारती सराफ, ज्योति वर्मा, मंजू सिंह, अजय विश्वकर्मा, पार्षद धनसाय साहू, चन्दन सिंह, हार बाई यादव, सुशील गर्ग, स्मिता सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

इन कार्यों की रखी गई आधारशिला

वार्ड क्र. 02 सी.सी. रोड निर्माण कार्य अमर चंद्रा घर से भागी चंद्रा घर तक लागत रूपए 8 लाख, वार्ड क्र. 02 तुलसी नगर सामुदायिक भवन में अतिरिक्त विकास कार्य लागत 5 लाख, वार्ड 03 नदी किनारे पचरी निर्माण कार्य 10 लाख, वार्ड 3 क्षेत्रांतर्गत विकास कार्य, 10 लाख, वार्ड क्र. 03 राताखार में स्थित शासकीय माध्यमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य, लागत 14.58 लाख, वार्ड क्र. 13 झरनापारा मोहल्ला स्थित सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य, लागत 5 लाख, वार्ड क्र. 14 पानी टंकी के पास सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष एवं विस्तार कार्य 15 लाख, वार्ड क्र. 14 क्षेत्रांतर्गत पम्प हाउस में झोपड़ीपारा मैग्जिनभाठा, अटल आवास के पीछे रोड नाली निर्माण कार्य,10 लाख,वार्ड क्र. 14 पम्प हाउस में आदर्श श्रमिक क्लब के सामने बस स्टॉप का निर्माण कार्य, लागत 5 लाख कुल 82.58 लाख के कार्यों का आज भूमिपूजन और शिलान्यास कर कार्यों का श्री गणेश किया गया।

मुख्यमंत्री के प्रयासों से बेहतर हुई जशपुर जिले की स्वास्थ्य सुविधाएं

कैंसर के इलाज में कर्ज बोझ तले दबा था राम प्यारे का जीवन, दीर्घायु वार्ड में मिला निःशुल्क उपचार

- **दीनदयाल को कैंसर के उपचार के लिए अब नहीं करना पड़ता मीलों का सफर, मिल रहा निःशुल्क उपचार**

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पतालों की सुविधाओं में लगातार विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से राज्य के मरीजों का विश्वास सरकारी अस्पतालों के प्रति मजबूत हुआ है। जशपुर के रामप्यारे और दीनदयाल स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर अपनी कहानी बयान कर रहे हैं।

कैंसर का उपचार कराने में मेरी पूरी जमा पूंजी खत्म हो गयी घर बेचने तक की नौबत आ गयी, ऐसे में जिला अस्पताल का दीर्घायु वार्ड मेरे लिए संकटमोचक बना जहां मुझे नि:शुल्क उपचार के साथ दवाइयां भी मिल रहीं हैं। ये कहना है राजापारा निवासी 60 वर्षीय रामप्यारे राम का। राम प्यारे शासकीय मॉडल स्कूल में भृत्य के पद पर कार्यरत हैं। कई सालों से उनके पेट में दर्द एवं जलन की शिकायत थी। प्रारम्भ में जब राम प्यारे ने अम्बिकापुर में निजी अस्पताल में जांच कराई तो पेट में अल्सर होने की बात कह कर चिकित्सकों ने ईलाज प्रारम्भ किया।

दो साल तक उपचार होने के बाद आराम ना मिलने पर उन्होंने रायपुर के निजी अस्पताल में अपने ईलाज कराया। जांच में पता चला कि उन्हें अमाशय का कैंसर है। वहां से दूसरे निजी अस्पताल रेफर किया गया। जहां उनका एक साल तक उपचार चला। इस ईलाज में उनकी घर की सारी जमा पूँजी खत्म हो गयी। स्थिति ऐसी बनी कि उन्हें अपना घर बेचने तक की नौबत आ गयी थी। वे कर्ज के बोझ तले दबते चले गए। बच्चों ने जहां से बन पड़ा कर्ज लेकर ईलाज कराने की कोशिश की।

ऐसे में उन्हें जिला अस्पताल में नि:शुल्क उपचार के संबंध में जानकारी मिली। उन्होंने यहां पर अपना उपचार कराना प्रारम्भ किया। अब उन्हें ईलाज के लिए बार बार रायपुर के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। राम प्यारे बताते हैं कि उनके ईलाज में प्रति माह 90 हज़ार से 1 लाख तक हो जाते थे। ऊपर से आने जाने और अन्य खर्चे अलग से करना पड़ता था। यहां पर उपचार निःशुल्क हो जाता है और कहीं जाने के खर्च की भी जरूरत नहीं पड़ती। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं शासन का धन्यवाद दिया।

कांसाबेल के कैंसर पीड़ित मरीज दीनदयाल यादव ने बताया कि उन्हें सितम्बर 2023 से कई शारीरिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पहले जब जांच कराई तो हैड्रोसिल की समस्या का पहचान कर उसका ईलाज किया गया। पर शारीरिक व्याधि फिर भी बढ़ती रही पेट में सूजन हो गया। एक दिन वे घर पर काम करते हुए बेहोश हो गए तो 2-3 दिनों तक बेहोशी की हालत में कुनकुरी में ईलाज चलता रहा। जहां बीमारी का ज्ञान ना होने पर अम्बिकापुर में भी जांच हुई तो चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज रायपुर जाने की सलाह दी। जहां पर चिकित्सकों की जांच में किडनी का कैंसर होने की बात सामने आई।

घर में राजमिस्त्री का कार्य कर पूरे घर की जिम्मेदारी अपने ऊपर उठाने वाले दीनदयाल की इस हालत से पूरे परिवार में डर का माहौल फैल गया था, पर डॉक्टरों ने समझाया की उन्हें आर्थिक बोझ ना हो इसके लिए वे अपने जिले में ही इसका उपचार करा सकते हैं। जब वे जशपुर आये तो दीर्घायु वार्ड में उनका निश्शुल्क उपचार आयुष्मान कार्ड योजना द्वारा प्रारम्भ हुआ। दीनदयाल का जहां बिस्तर से उठना बोलना भी दूभर हो गया था। अब धीरे-धीरे वह ठीक होने लगे हैं वे अब खुद उठ कर बैठने की अवस्था में आ गए हैं। इसके लिए दीनदयाल एवं उनकी पत्नी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भी धन्यवाद दिया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

ऑटो एक्सपो से पहले परिवहन विभाग ने दायर किया कैविएट

बिलासपुर। 15 जनवरी से 15 फरवरी तक राजधानी रायपुर के साइंस कालेज ग्राउण्ड में ऑटो एक्सपो 2025 का आयोजन होने जा रहा है लेकिन इससे पहले परिवहन विभाग ने हाईकोर्ट में कैविएट दायर कर यह सुनिश्चित करना चाहता है कि आयोजन को लेकर किसी भी प्रकार की कानूनी चुनौती न आए, जिससे कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हो। उल्लेखनीय हैं कि ऑटो एक्सपो में विभिन्न प्रकार के वाहनों की प्रदर्शनी के साथ-साथ नई तकनीकों और यातायात सुधार से जुड़ी जानकारी साझा की जाएगी। यह एक्सपो राज्य के लिए सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि व्यापारिक और तकनीकी विकास का केंद्र भी होगा। परिवहन विभाग ने हाईकोर्ट में कैविएट इस आशंका के तहत दायर की है कि आयोजन को लेकर किसी भी प्रकार की कानूनी चुनौती न आए, जिससे कार्यक्रम में बाधा उत्पन्न हो। कैविएट दायर होने से यह सुनिश्चित होगा कि विभाग को अपनी बात रखने का अवसर दिया जाएगा।

औचक निरीक्षण करने कार्यालय पहुंचे कलेक्टर

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज कलेक्ट्रोरेट परिसर स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर न्यायालय, एनआईसी, अपर कलेक्टर, चिप्स, निर्वाचन शाखा, स्थापना शाखा, कोषालय, खाद्य विभाग, भू-अधिकारी, आदिवासी विकास, आबकारी एवं खनिज विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की, जिसमें 86 शासकीय सेवक अनुपस्थित पाए गए। बता दें कि अधिकारियों और कर्मचारियों की अनुपस्थिति को लेकर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताते हुए अपर कलेक्टर को अनुपस्थित कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंचकर शासकीय दायित्वों का पालन करें। साथ ही उन्होंने कार्य स्थल पर लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

चलते वाहन में लगी आग चालक ने कूदकर बचाई जान

जगदलपुर। नारायणपुर जिले में गुरुवार की सुबह एक चलती हुई हाईवा में अचानक से आग लग गई। अचानक आग लगने के बाद ड्राइवर ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं चालक का कहना है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगा होगा। यह पूरी घटना नारायणपुर जिले के तेलसी मोड़ के पास हुई है। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट से जलने वाली वाहन हाईवा अनिल राय की है, जिस वाहन में आग लगी है वह बीएसपी के अंजरेल माइंस से आयरन ओर की ढुलाई कार्य में लगी थी। वहीं घटना के बाद फायर ब्रिगेड की टीम को बुलाकर आग पर काबू पाया, लेकिन हाइवा सामने की तरफ से पूरी तरह जलकर खाक हो गई है, इसके साथ ही वाहन के चारों टायर भी जलकर राख हो गए हैं।

तखतपुर स्कूल में छात्र ने फेंका सहपाठी पर एसिड

बिलासपुर। तखतपुर स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में प्रैक्टिकल सत्र के दौरान कक्षा 11वीं के छात्र अयान अंसारी ने अपने सहपाठी ईसा राज की पीठ पर एसिड डाल दिया जिससे वह झुलस गई और उसे तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया। इस मामले में स्कूल प्रशासन ने आरोपी छात्र आयन को 20 जनवरी तक के लिए निलंबित कर दिया है। ईसा राज के पिता पी. बेनेट ने बताया कि यह घटना 8 जनवरी को दोपहर लगभग 1 बजे हुई जब प्रैक्टिकल चल रहा था। इसी दौरान कक्षा 11वीं के छात्र अयान अंसारी ने अपने सहपाठी ईसा राज की पीठ पर एसिड डाल दिया जिससे वह झुलस गई इस घटना के बाद, स्कूल प्रशासन ने दोनों छात्रों के अभिभावकों के साथ चर्चा की और दोषी छात्र अयान अंसारी को 20 जनवरी तक निलंबित कर दिया है। प्रधानाचार्य मौसमी रॉबिंसन ने बताया कि इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। तखतपुर के बीईओ, कामेश्वर बैरागी ने कहा कि वे स्कूल के प्राचार्य से इस संबंध में जानकारी ले रहे हैं।

युवक ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर लगाई आग

कांकेर। भानुप्रतापपुर के ग्राम बोगर में नशे की हालत में युवक चंद्रकुमार नेताम उम्र 35 वर्ष ने स्वयं पर पेट्रोल डालकर आग लगा लेने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। एक दिल दहला देने वाली इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं ग्रामीणों की सूचना पर भानुप्रतापपुर के एसडीओपी प्रशांत पैकरा और थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख के साथ पुलिस घटना स्थल पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक चंद्रकुमार नेताम कोरर थाना क्षेत्र के बैजनपूरी का निवासी था। बताया जा रहा है कि वह पिछले दो महीनों से अपने भाई के पास बोगर में रह रहा था। और पिछले पांच दिनों से घर से लापता हो गया था। वहीं उसने अपने भाई के घर के सामने आत्महत्या कर ली। हालांकि आत्महत्या का कारण पता नहीं चल सका है। मृतक विवाहित था और उसके दो बच्चे भी हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दसों उंगलियों में अंगूठी पहन भागा चोर, सीसीटीवी में हुआ कैद

5 लाख बताई जा रही कीमत, ग्राहक बन दुकान पर आया शातिर

दुर्ग। दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी की दुकान से चोर अंगूठियां लेकर फरार हो गए। बुधवार को दिनदहाड़े बाइक सवार युवक ज्वेलरी दुकान में ग्राहक बनकर पहुंचा और सोने की अंगूठी दिखाने के लिए कहा। ज्वेलरी शॉप में काम करने वाली लड़की ने ग्राहक को सोने की अंगूठी दिखाई और इस दौरान आरोपी ने अपनी दसों उंगलियों में अंगूठी पहनी और फरार हो गया। आरोपी ने ज्वेलरी शॉप से लगभग 5 लाख कीमत की अंगूठी लेकर बाइक से फरार हो गए। पूरा मामला दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र के गया नगर के बालाजी ज्वेलरी शॉप का है।

गया नगर के बालाजी ज्वेलर्स में बुधवार दिनदहाड़े दो युवक पहुंचे। इस दौरान दुकान के मालिक सेक्टर 9 अस्पताल गए हुए थे। दुकान में पिछले डेढ़ वर्षो से कार्य कर रही डिंपल दुकान में अकेली थी। इसी दौरान दो आरोपी दुकान में आए। एक आरोपी बाहर बाइक लेकर खड़ा था। वहीं, एक आरोपी दुकान के भीतर पहुंचा। आरोपी ने सोने की अंगूठी दिखाने के लिए कहा। जब डिंपल उसे सोने की अंगूठी दिखा रही थी तब अज्ञात आरोपी अपनी उंगलियों में अंगूठी पहनकर देखने लगा। इसी दौरान अपनी दसों उंगलियों में अंगूठी को पहना और तेजी से बाहर निकला। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी राजीव नगर दुर्ग की ओर फरार हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने जांच प्रारंभ कर दी है। बताया जाता है कि सीसीटीवी फुटेज में एक आरोपी लाल रंग का हूडी पहना हुआ है और एक काले रंग का बैग लटका रखा है। वहीं, जो आरोपी युवक दुकान में घुसा हुआ था वह स्लेटी रंग की शर्ट, मटमैला रंग का फुल पैंट पहनी हुई है। अंगूठियों की कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने बताया कि ज्वेलरी शॉप के मालिक की सूचना पर गया नगर और आस-पास की नाकेबंदी की गई है। फिलहाल अंगूठी लेकर भागे युवकों का कोई सुराग नहीं मिला है। वहीं, ज्वेलरी शॉप के अलावा आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों भी खंगाली जा रही है। बाइक में दो युवक सवार होकर बालाजी ज्वेलर्स शॉप में अंगूठी खरीदने के बहाने आकर आरोपी ने दस अंगूठी पहनकर फरार हो गया। ज्वेलरी शॉप में एक युवक ही गया था दूसरा युवक बाहर बाईक लेकर खड़ा था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनाक्रम की ज्वेलरी दुकान के मालिक से भी पूछताछ की गई है। पीड़ित ने पुलिस को सीसीटीवी कैमरे दिखाए। जिसके आधार पर पुलिस बदमाश युवकों की तलाश की जा रही है।

हाईकोर्ट ने देवेंद्र यादव को दिया 10 दिन के भीतर जवाब देने अंतिम मौका

बिलासपुर। प्रेमप्रकाश पांडे की चुनाव याचिका पर हाईकोर्ट ने भिलाई के विधायक देवेंद्र यादव को 10 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने का अंतिम मौका दिया है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को जस्टिस राकेश मोहन पांडे की सिंगल बेंच में हुई। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 जनवरी की तारीख तय की है। गौरतलब है कि प्रेम प्रकाश पांडे पिछला विधानसभा चुनाव में देवेंद्र यादव से 1200 वोटों से हार गए थे।

पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे ने याचिका में आरोप लगाया है कि उन्होंने अपने नामांकन शपथ पत्र में आपराधिक मामलों और संपत्ति से जुड़ी जानकारी छुपाई। याचिका में इसे जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन बताया गया है। विधायक देवेंद्र यादव की ओर से वकील बी.पी. शर्मा ने अदालत में तर्क दिया कि यादव जेल में हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने में देरी हो रही है। इस पर याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील डॉ. निर्मल शुक्ला ने आपत्ति जताई और बताया कि जेल में विधायक से जूनियर वकील तन्मय ठाकुर 8 बार मुलाकात कर चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जवाब दाखिल नहीं किया गया। हाईकोर्ट ने विधायक के वकीलों के इस रवैये पर नाराजगी जताई और साफ कहा कि 10 दिनों के भीतर जवाब दाखिल करें। कोर्ट ने यह भी कहा कि जनप्रतिनिधित्व का मामला जनता से जुड़ा है और इस पर फैसला सुनाने में कोई देरी नहीं होनी चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि विधायक जानबूझकर जवाब दाखिल नहीं कर रहे हैं ताकि मुकदमे को लंबा खींचा जा सके। वहीं, विधायक के वकील ने तर्क दिया कि अगर विधायकी रद्द होती है, तो क्षेत्र में उपचुनाव कराना पड़ेगा, जिससे जनता को असुविधा होगी।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज छत्तीसगढ़ में

रायपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 10 जनवरी को छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। प्रवास के दौरान कृषि मंत्री प्रदेशवासियों को प्रधानमंत्री आवास की सौगात देंगे, इसके अलावा कुम्हारी में किसान मेला में शामिल होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का मिनट टू मिनट शेड्यूल जारी हुआ है। जिसके अनुसार, केंद्रीय मंत्री सुबह 11.15 बजे रायपुर पहुंचकर नगपुरा के लिए रवाना होंगे। दोपहर 12.10 से 12.25 मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे। दोपहर 12.40 से 12.55 प्रधानमंत्री आवासीय योजना कार्यक्रम में शामिल होंगे। लोक निर्माण विभाग रेस्टहाउस में दोपहर 2.00 से 2.30 तक आरक्षित है। दोपहर 2.35 को नगपुरा हेलीपेड के लिए रवाना होंगे। कुम्हारी के मिनी स्टेडियम में दोपहर 3.10 से 4.15 बजे तक किसान मेला कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद शाम 5.15 को भोपाल के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री के प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री आवास की सौगात देने पर पंचायत मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि इसके पहले भी केंद्र सरकार से 8 लाख 46 हज़ार आवास मिला है। पूर्व में स्वीकृत सभी आवासों में कार्य चल रहा है, कल फिर छत्तीसगढ़ को बड़ी सौगात मिलेगी।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना 2024-25 की अंतरिम सूची में दावा आपत्ति 15 तक

रायपुर। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा (वर्ष 2024-25) में मेरिट स्थान प्राप्त कक्षा 10वीं/ 12वीं के स्ष्ट/स्ज्ञ वर्ग के विद्यार्थियों को शासन द्वारा प्रोत्साहन राशि प्रदान किये जाने का प्रावधान है। योजनांतर्गत कक्षा 10वीं स्ष्ट/स्ज्ञ वर्ग के एसे विद्यार्थी जिन्होने प्रोत्साहन राशि के लिए ऑनलाईन आवेदन किया है उनके आवेदनो का राज्य स्तर पर परीक्षण उपरांत अंतरित सूची जारी की गई है। अंतरित सूचियों को कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, रायपुर द्वारा समस्त प्राचार्यो को प्रेषित किया गया है। उक्त अंतरिम सूची में दावा आपत्ति के लिए 15 जनवरी शाम 05ः30 बजे तक की समय-सीमा दी गई है।

लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में प्रशिक्षण हेतु नवीन तकनीक से सुसजित लैब स्थापित

रायपुर। लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड के द्वारा ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में प्रशिक्षण हेतु नवीन तकनीक से सुसजित लैब स्थापित किया गया है। जहाँ महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा लिमिटेड के तकनिकि विशेषज्ञों द्वारा कौशल विकास योजना अन्तर्गत ट्रैक्टर मैकेनिक कोर्स में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। शिक्षित प्रथम बैच के सभी हितग्राहियो को 27.11.2024 को प्लेसमेंट कैम्प आयोजित कर महिन्द्रा ट्रैक्टर डीलरशीप एवं प्लांट में रोजगार प्रदान किया गया। इस कोर्स हेतु जिले में निवासरत 18 से 45 वर्ष के इच्छुक हितग्राही आवेदन जमा कर सकतें हैं। प्रशिक्षण की अवधि-220 घण्टे (लगभग 02 माह) तथा आवश्यक योग्यता-10वी पास है। अधिक जानकारी हेतु कार्यालयीन नम्बर-0771-2443066 एवं अन्य नम्बर-9109321845, 7828246081 में संपर्क कर सकते है। उपरोक्तानुसार कौशल विकास योजना के व्यापक प्रचार प्रसार हेतु कौशल प्रशिक्षण संबंधी प्रेस विज्ञप्ति को संपर्क नम्बर सहित प्रादेशिक दैनिक समाचार पत्र में निःशुल्क प्रकाशित करवाने का कष्ट करें।

कड़ेना एनीकट निर्माण के लिए 4.47 करोड़ स्वीकृत

रायपुर। राज्य शासन ने रायगढ़ जिले के विकासखण्ड धरमजयगढ़ के कड़ेना एनीकट निर्माण कार्य के लिए 4 करोड़ 47 लाख 31 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। योजना की कार्य पूर्ण हो जाने पर भू-जल संवर्धन एवं निस्तारी जल की सुविधा के साथ 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सोलर संयंत्र एवं पाईप लाईन के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से एनीकट निर्माण कार्यों को कराने मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

टेमरी में ढहाए चार अवैध मकान

रायपुर। शासकीय भूमि पर अतिक्रमण के विरूद्ध कार्रवाई का अभियान शहरी इलाकों के साथ-साथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँच गया है। रायपुर जिला प्रशासन ने आज टेमरी गांव में शासकीय जमीन पर नियम विरूद्ध कब्जा कर बन रहें मकानों पर बुलडोजर चलाया। तहसीलदार पवन कोसमा ने अपने तोड़ू दस्ते के साथ टेमरी पहुँचकर बेजा कब्जा हटाने की कार्रवाई की। तहसीलदार ने बताया कि ग्राम पंचायत टेमरी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई है। आज की कार्रवाई के बारे में तहसीलदार श्री कोसमा ने बताया कि टेमरी गांव में सीताराम ध्रुव और अविनाश धृतलहरे ने गांव की सरकारी जमीन पर बेजाकब्जा करके अतिक्रमण करते हुए चार मकान बना रहे थे। ग्राम पंचायत ने इसकी शिकायत तहसील कार्यालय में की थी। तहसीलदार द्वारा इसकी जांच के उपरांत अपने न्यायालय से बेजाकब्जा हटाने का आदेश पारित किया गया था। आज माना थाने से पुलिस बल, राजस्व निरीक्षक और हल्का पटवारी की मौजूदगी में चार निर्माणाधीन मकानों को जेसीबी मशीन से तोड़कर शासकीय भूमि से बेजाकब्जा हटा दिया गया है।

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर होगी कड़ी कार्यवाही : राजवाड़े

पोषण ट्रैकर में शत-प्रतिशत एंट्री नहीं होने पर अंतर की राशि का अधिकारियों के वेतन से होगा भुगतान

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मंत्रालय महानदी भवन में महिला बाल विकास विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरतने पर अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पोषण ट्रैकर में शत प्रतिशत एंट्री नहीं करने वाले अधिकारियों के वेतन से अंतर की राशि का भुगतान करने के भी निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने अधिकारियों को आंगनबाड़ी केंद्रों का सतत आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हितग्राहियों को दिए जा रहे पोषण-आहार एवं अन्य सुविधाओं की नियमित जांच कर उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक के दौरान विभागीय अधिकारियों ने पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए विभागीय कार्यक्रमों और योजनाओं की जानकारी दी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने एकीकृत बाल विकास सेवाओं को धरातल में कारगर ढ़ंग से क्रियान्वित कराने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की अन्य कल्याणकारी योजनाओं से भी क्षेत्र की महिलाओं एवं बच्चों को योजनाबद्ध तरीके से लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। इस दिशा में सेवाओं को परिणामदायी बनाने हेतु जनजागरूकता लाने सहित सेवाओं की गुणवत्ता एवं सेवाओं के विस्तार के लिए प्रभावी पहल किया जाए। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महिला बाल विकास विभाग की महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, रेडी-टू-ईट, नोनी सुरक्षा योजना, शुचिता योजना, बाल सन्दर्भ, नियद नेल्ला नार और प्रधानमंत्री जनमन योजना का लाभ सभी हितग्राहियों को मिले। उन्होंने महतारी वंदन योजना की सभी पात्र हितग्राहियों के बैंक खाते को आधार कार्ड से लिंक कराने के निर्देश दिए। ऐसे हितग्राही जिनकी मृत्यु हो गई हो उन्हें चिन्हांकित कर उनका आवेदन निरस्त करें।उन्होंने गर्भवती, शिशुवती माताओं, बच्चों और किशोरी बालिकाओं का नियमित अंतराल पर स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और वजन लेने कहा। वहीं स्कूल पूर्व प्रारंभिक शिक्षा, पूरक पोषण आहार तथा पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा को परिणाममूलक बनाने के लिए संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किये जाने के निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में सही लाभार्थी को लाभ मिले, यह सुनिश्चित करें। आवेदन प्राप्त कर अधिकारी उसका सत्यापन करें ताकि वास्तविक व्यक्ति को लाभ मिले।

आंगनबाड़ी समय से खोलने बंद करने और औचक निरीक्षण करने के दिए निर्देश

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने पोषण ट्रैकर पर शत प्रतिशत एंट्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी आंगनबाडि़यों को समय पर खोलें और बंद करे। सभी सुपरवाइजर नियमित रूप से आंगनबाड़ी का औचक निरीक्षण करें। सभी आंगनबाडि़यों में पोषण वाटिका बनाकर हरी सब्जियां तथा फलदार वृक्ष लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजनांतर्गत निर्धन जरूरतमन्द महिलाओं को लाभान्वित कर योजना के उद्देश्य की सार्थकता साबित करने कहा। बैठक में जागृति शिविर, दिशा दर्शन योजना अंतर्गत अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त मिशन वात्सल्य, बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती, आंगनबाड़ी केन्द्र भवन निर्माण की स्वीकृति, संचालित एवं प्रगतिरत भवनों की समीक्षा भी की। बैठक में विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, संचालक श्री जनमेजय महोबे सहित विभाग के संचालनालय और जिला स्तरीय अधिकारी भी मौजूद थे।

नामांतरण के लिए अब नहीं लगाना पड़ेगा चक्कर

सुगम एप के माध्यम से आसानी से होगा नामांतरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर राज्य में नामांतरण की प्रक्रिया को आसान बनाया जा रहा है। इसके लिए सुगम एप में यह सुविधा प्रदान की जा रही है। भूमि अथवा प्लॉट की रजिस्ट्री के साथ ही डाटा राजस्व विभाग को चला जाएगा, जहां से नामांतरण आसानी से हो जाएगा।

अभी प्रदेश में रोज तकरीबन आठ हजार संपत्तियों की रजिस्ट्री होती है, जिससे क्रेता द्वारा भूमि अथवा प्लॉट का नामांतरण कराने के लिए एक माह से 90 दिन तक इंतजार करना पड़ता है। इसके लिए तहसील और पटवारी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। इसे देखते हुए राजस्व विभाग अब तत्काल नामांतरण की सुविधा शुरू करने जा रहा है। इस पहल से राजस्व विभाग के साथ ही आवेदकों को भी सुविधा होगी। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि सुगम ऐप से रजिस्ट्री शुरू होने के बाद पूरी पादर्शिता के साथ रजिस्ट्री होगी। भुइंया रिकार्ड को सुगम ऐप से जोड़ा जा चुका है, जो रिकार्ड इसमें होगा उसके आधार पर ही रजिस्ट्री की प्रक्रिया होगी। रजिस्ट्री में ही गड़बड़ी की सभी संभावनाओं को खत्म कर दिया जाएगा। ऐसे में राजस्व रिकार्ड सही होने पर ही रजिस्ट्री होगी और इसी रिकार्ड के आधार पर 24 घंटे के भीतर नामांतरण भी हो जाएगा। अभी रजिस्ट्री कराने के बाद नामांतरण कराने के लिए तहसील कार्यालय जाना पड़ता है और वहां आवेदन देना होता है, लेकिन अब आवेदन रजिस्ट्री कराने के साथ ही पटवारी और तहसीलदार के लागिन आइडी में फारवर्ड हो जाता है। संबंधित तहसीलदार के पास रजिस्ट्रीकर्ता का आवेदन डिस्प्ले होने लगता है। इससे समय की बचत होगी।

रायपुर में गौकशी का मामला, घर में बड़ी मात्रा में मिला गौ मांस

■ **मंत्री केदार कश्यप ने कहा- दोषियों पर होगी कार्रवाई**

रायपुर। राजधानी रायपुर में गौकशी से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने गौ सेवकों की टीम के साथ मोमिनपारा में छापा मारा, जहां एक घर में बड़ी मात्रा में ताजा गौ मांस मिला है। बताया जा रहा कि महाराष्ट्र से लाकर गौ मांस बेचा जा रहा था। इस मामले में पुलिस 5 संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही। पूरा मामला आचाद चौक थाना क्षेत्र का है। वहीं इस मामले में मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि विष्णुदेव के सुशासन में यहां गौकशी न हो, इसके लिए काम किया जा रहा है। जो भी दोषी होंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, मोमिनपारा के घर में तीन कमरों में बड़े स्तर पर गौ मांस काटने का काम चल रहा था। पुलिस ने 226 किलो में गौ मांस के साथ तराजू, मांस काटने का सामान, लड़की के बड़े टुकड़े, रस्सियां बरामद की है। एक डायरी भी मिली है, जिसमें कई नाम लिखे हैं। कितने किलो किसको गौमांस बेचा, इसकी जानकारी डायरी में लिखी हुई है। घर से खुर्शीद अली नाम के व्यक्ति की आईडी मिली है। पुलिस 5 संदेही को हिरासत में मामले की जांच कर रही है। वहीं इस मामले को लेकर हिंदू संगठन ने नाराजगी जताई है। देर रात चक्काजाम कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। राजधानी में गौकशी को लेकर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने नाक के नीचे हो रही गौकशी को राजनीतिक संरक्षण मिलने की बात कही है। उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों में बीजेपी की सरकार है। यदि ऐसा कही हो रहा है तो जिम्मेदार कौन है ? कही न कही राजनैतिक संरक्षण मिल रहा है, क्योंकि ये बीफ कंपनी से चंदा लेते हैं।

गैर मान्यता प्राप्त कोर्स के संचालन के विरोध में एनएसयूआई ने घेरा विवि

रायपुर। श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय में सैकड़ो छात्र गैरमान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम के संचालन के विरोध में जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी के नेतृत्व में मान्यता की मांग को लेकर मोर्चा खोला दिया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष श्री प्रशांत गोस्वामी ने बताया कि रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय में बीएमएलटी/डीएमएलटी तथा डायलिसिस तथा ऑप्टोमेट्री कोर्स में सैकड़ो छात्र छात्राओं को एडमिशन लिया गया है। जिसमें से लगभग 60 छात्र - छात्राएँ अपना कोर्स पूरा कर चुके हैं किंतु जब वह राज्य के पैरामेडिकल काउंसिल में अपने रजिस्ट्रेशन के लिए जाते है तो उन्हें गैरमान्यता प्राप्त विश्विद्यालय से कोर्स करने का वजह देकर रजिस्ट्रेशन देने से मना कर दिया जाता है। जिसके चलते सैकड़ो छात्र सरकार द्वारा जारी विभिन्न वेकन्सी से वंचित हो रहे है। प्रशांत गोस्वामी ने बताया कि वर्तमान में श्री रावतपुरा सरकार विश्विद्यालय को कोर्स के संचालन हेतु आवश्यक छत्तीसगढ़ पैरामेडिकल काउंसिल से रजिट्रेशन प्राप्त नहीं है तथा उक्त कोर्स के संचालन के लिए आवश्यक छत्तीसगढ़ राज्य पैरामेडिकल काउंसिल द्वारा एनओसी भी प्राप्त नहीं है जो सैकड़ो छात्रो के साथ धोखा है।

विद्यार्थी अपने भविष्य निर्माण के लिए मोबाइल का दुरुपयोग ना करें : पुरंदर मिश्रा

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज ने मेघावी छात्रों का किया सम्मान

रायपुर। छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति द्वारा विप्र भवन में मेघावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि पुरंदर मिश्रा (विधायक रायपुर उत्तर) की गरिमामय उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर पुरंदर मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने भविष्य निर्माण के लिए मोबाइल का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता एवं घर के बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए। घर के बड़े बुजुर्ग भी घर में बातचीत का माहौल बना कर रखें। आर्थिक सहयोग करना और कैरियर बनाना कोई बड़ी बात नहीं है ,पर बच्चों को संस्कार देना इससे अधिक महत्वपूर्ण कार्य हैं।

समारोह में पुरंदर मिश्रा के साथ छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के विद्यार्थियों के मंच पर उपस्थित समाज के वरिष्ठ सदस्य अरुण शर्मा,नरेन्द्र तिवारी, प्रदीप नारायण तिवारी, एल.एन. तिवारी, कुसुम शर्मा, बीजापुर के पूर्व कलेक्टर अनुराग पांडेय और सुभाष तिवारी द्वारा छात्रवृत्ति की राशि अध्ययन- अध्यापन में सहयोग के लिए प्रदान की गई। इस अवसर पर अरुण शर्मा ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए परिश्रम की सलाह देते हुए समाज द्वारा सतत सहयोग की बात कही। प्रदीप नारायण तिवारी ने अपने उद्बोधन में समाज के इस कार्य को समाज के विकास के लिए आवश्यक बताया। एल एन तिवारी ने कहा कि इस प्रकार आर्थिक सहयोग करना कोई एहसान नहीं है, बल्कि हम सब का कर्तव्य है क्योंकि यही बच्चे हमारा भविष्य हैं। व्यास नारायण शुक्ला, अविनाश शुक्ला ,प्रमोद शर्मा, उमाकांत तिवारी, सुरेंद्र शुक्ला ,के के शुक्ला ,नटराज शर्मा ,संजय दीवान,विनय तिवारी,प्रकाश तिवारी, विभा तिवारी सहित समाज के वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह का संचालन डॉ.मेघेश तिवारी ने किया।

यह जानकारी देते हुए विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी ने बताया कि कोरोना काल के समय समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं तत्कालीन मंत्री रविंद्र चौबे की प्रेरणा से ब्राह्मण समाज के लोगों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया था।कोरोना काल में ही समाज के मेघावी विद्यार्थियों को अध्ययन -अध्यापन में सहयोग के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करने का विचार समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा रखा गया। जिसके लिए उदार दानदाताओं ने राशि उपलब्ध की। जिसमें प्रमुख रूप से विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा एक लाख, धरसीवा के विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा द्वारा पचास हजार रुपए, बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ल द्वारा पचास हजार रुपए, भास्कर शर्मा ने 5 लाख ,श्रीमती कुसुम शर्मा ने 1 लाख ,स्वर्गीय कुंज बिहारी दुबे स्मृति में श्रीमती मांडवी दुबे द्वारा 1,25,000 एवं अनिल शर्मा द्वारा 1,00,000 प्रदान किया गया। समाज के इस कार्य में सहयोग देने के लिए मंच पर ही सुभाष तिवारी ने 21,000 सहयोग देने की घोषणा की।

समाज के भविष्य को उज्जवल बनाने की दृष्टि से विगत वर्ष लगभग 50 बच्चों को पांच लाख की छात्रवृत्ति राशि वितरित की गई थी। लगातार तीसरे वर्ष भी लगभग 5 लाख की राशि 50 से 60 मेघावी विद्यार्थीयों को प्रदान किया गया।

भौतिक सत्यापन के बाद रिकार्ड में हेराफेरी मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई : कलेक्टर

धान खरीदी केंद्रो में भौतिक सत्यापन 31 जनवरी तक चलेगा

रायपुर। कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रास सोसायटी सभाकक्ष में धान खरीदी केंद्रो के भौतिक सत्यापन के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि यदि धान खरीदी के दौरान भौतिक सत्यापन के बाद रिकार्ड में कोई हेराफेरी या अनियमितताएँ पाई जाती हैं, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए और इसे 31 जनवरी तक पूरा किया जाए।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में 7 जनवरी से भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह सत्यापन सुनिश्चित करेगा कि सभी किसानों का धान सही तरीके से खरीदा जा रहा है और कोई अनियमितता नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि धान का उठाव जल्द से जल्द करें ताकि केंद्रों पर बोझ कम किया जा सके और खरीदी प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जा सके। बैठक में जिले के सभी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए और किसानों की सुविधा के लिए सभी तैयारियों को पूरी तरह से सुनिश्चित करने की बात कही गई। कलेक्टर ने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए जिला प्रशासन तत्पर रहेगा। वहीं विभागीय अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि खरीदी केंद्रो का निरीक्षण दल द्वारा तीन बार भौतिक सत्यापन किया जाएगा। पहले चरण में 7 से 14 जनवरी, दूसरा 15 से 22 जनवरी, तीसरा चरण 23 से 31 जनवरी तक होगा। साथ ही इसकी इंट्री मोबाइल एप में दी जाएगी। इसके बाद रिपोर्ट का निरीक्षण जिलों के द्वारा गठित राज्यस्तरीय दल द्वारा जिले में जाकर किया जाएगा। 8 जनवरी तक जिले में 5.4 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी और 2.9 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव किया जा चुका है।

खून जांच के लिए अम्बेडकर अस्पताल में नई व्यवस्था शुरू

■ **वार्ड में भर्ती मरीजों के ब्लड सैम्पल को अब वार्ड बॉय लेकर जाएगा**

रायपुर। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय के नेतृत्व में मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के निर्देश पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीज के परिजनों को खून की जांच कराने के लिए सैंपल लेकर पैथोलॉजी लैब नहीं जाना पड़ेगा। अस्पताल में भर्ती अंतः रोगी मरीजों के लिए प्रबंधन ने बड़ा फैसला लिया है। अब वार्ड में भर्ती सभी मरीजों के पैथोलॉजिकल जांच के लिए उनका ब्लड सैंपल वार्ड में एकत्रित कर वार्ड बॉय द्वारा पैथोलैब तक पहुंचाया जाएगा और जांच पश्चात् ब्लड रिपोर्ट एकत्रित करके उसे संबंधित वार्ड में ऑन ड्यूटी नर्स को दिया जाएगा। अम्बेडकर अस्पताल अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर मेडिसिन मेल वार्ड क्र. 8 एवं 9 तथा मेडिसिन फीमेल वार्ड क्रं. 10 एवं 11 में भर्ती मरीजों के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है। धीरे-धीरे सभी वार्डों में सैंपल कलेक्शन सिस्टम की यह व्यवस्था लागू हो जाने के बाद मरीजों को सबसे बड़ी राहत मिलेगी और उनके अटेंडर को भी जांच के लिए ब्लड सैंपल को लेकर पैथोलॉजी लैब तक नहीं जाना पड़ेगा। रिपोर्ट भी उनको समय पर मिल जायेगा।

विदित हो कि 1340 बेड के अम्बेडकर अस्पताल में रोजाना 950 से भी अधिक मरीज भर्ती रहते हैं। वहीं प्रतिदिन लगभग 260 नये मरीज अंतः रोगी विभाग (आईपीडी) में भर्ती होते है। यहाँ विभिन्न विभागों के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में आने वाले मरीजों की संख्या प्रतिदिन लगभग दो से ढाई हजार रहती है। ओपीडी के अलावा इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के लिए सप्ताह के सातों दिन चौबीस घंटे खून जांच एवं रेडियोलॉजी जांच की व्यवस्था रहती है।

कार्यालय कलेक्टर (आबकारी) जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

क्रमांक/आब./ ठेका/2024-25/86 कबीरधाम, दिनांक 07/01/2025

// निविदा सूचना पत्र //

कार्यालय छ.ग. स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड रायपुर छ.ग. के पत्र क्रमांक / सी.एस. एम.सी.एल/उ.प्र. (1)/169/2017/1240 रायपुर दिनांक 27.11.2017 में प्राप्त निर्देश के अनुसार वर्ष 2024-25 हेतु देशी/विदेशी / कम्पोजिट मदिरा दुकान के लिए सामान्य प्रयोग नियम के अनुरूप कबीरधाम जिले के 03 मदिरा दुकानों के लिए आपत्तिरहित स्थल पर भवन किराया लिये जाने के संबंध में निविदा जारी किये जा रहे है:-

क्र.	देशी/विदेशी/ कम्पोजिट मदिरा दुकान का नाम	वर्तमान में संचालित मदिरा दुकान का स्थल	दुकान स्थापना हेतु निर्धारित क्षेत्र
1.	दे.म.दु. स.लोहारा	स.लोहारा-ईरीमकसा मार्ग न. पं. स.लोहारा	नगर पंचायत स.लोहारा के सीमा अंतर्गत आपत्तिरहित स्थल पर मदिरा दुकान पुरे साज सज्जा से युक्त
2.	वि.म.दु. स.लोहारा	स.लोहारा-ईरीमकसा मार्ग न. पं. स.लोहारा	नगर पंचायत स.लोहारा के सीमा अंतर्गत आपत्तिरहित स्थल पर मदिरा दुकान पुरे साज सज्जा से युक्त
3.	कम्पोजिट म.दु. पोड़ी	बोड़ला मार्ग ग्राम पंचायत पोड़ी	ग्राम पंचायत पोड़ी सीमा अंतर्गत आपत्तिरहित स्थल पर मदिरा दुकान पुरे साज सज्जा से युक्त

उपरोक्त देशी/विदेशी / कम्पोजिट मदिरा दुकानों के लिए आपत्तिरहित स्थल पर भवन किराये पर लिये जाने के संबंध में कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी (कलेक्टोरेट) कबीरधाम के अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालयीन समय में मुहरबंद निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 21.01.2025 समय 2.00 बजे दोपहर तक है। निर्धारित मापदण्ड की जानकारी कार्यालय से कार्यालयीन दिवस एवं समय में प्राप्त करेंगें तथा निविदा प्रपत्र शुल्क-1000/- रूपये (एक हजार रूपये मात्र) बैंक ड्राफ्ट, जिला आबकारी अधिकारी, कबीरधाम (छ.ग.) के नाम से, जमा कर दिनांक 20.01.2025 को समय शाम 05:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त निविदा स्वीकार नही की जायेगी। सबसे कम दर वाले निविदा स्वीकार किया जावेगा। निविदा स्वीकार करने का या न करने का अंतिम निर्णय समिति का होगा। कार्यालय में प्राप्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 21.01.2025 को समय शाम 4.00 बजे एवं वित्तीय बिड दिनांक 24.01.2025 समय शाम 4.00 बजे निविदाकारों के समक्ष खोली जावेगी।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

जिला आबकारी अधिकारी
हेतु कलेक्टर
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

जी-242505193/4

विकसित भारत की यात्रा में एनआरआई

डॉ. भरत बरई

सितंबर 2014 में मैडिसन स्क्वायर में 'भारत माता की जय' के नारे गूंजे। न्यूयॉर्क शहर में हजारों लोगों द्वारा इस नारे को बुलंद करना एक अभूतपूर्व क्षण था। इसने?प्रवासी समुदाय से भारत के जुड़ाव में नए युग का सूत्रपात किया। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया ने विभिन्न देशों में भारतीय प्रवासियों की शानदार सभाओं को देखा। वह?शायद पहले वैश्विक नेता हैं, जिन्होंने अपने देश के प्रवासियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर इतना?महत्व दिया है। अमेरिका में 'हाउडी मोदी' से लेकर कुवैत में हाल ही में हुए 'हाला मोदी' जैसे कार्यक्रमों ने, भारतीय प्रवासियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घकालिक व्यक्तिगत जुड़ाव के कारण वैश्विक स्तर पर प्रमुखता हासिल की। ओडिशा इस साल प्रवासी भारतीय दिवस की मेजबानी कर रहा है। बीते कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल इस आयोजन में भारतीय प्रवासियों की भागीदारी को बढ़ाया है, बल्कि लाखों एनआरआई के बीच उनके गौरव और उद्देश्य की भावना को भी बढ़ाया है। प्रशासनिक भूमिकाओं में मोदी का प्रवेश गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में हुआ, लेकिन प्रवासी समुदाय व दुनिया के साथ उनका संबंध युवा प्रचारक के रूप में उनके शुरुआती वर्षों से है। उन्होंने 1980 के दशक की शुरुआत में भारत से बाहर यात्रा की। आरएसएस में उनके पूर्व सहयोगी याद करते हैं कि मोदी नियमित रूप से अन्य देशों के मित्रों से मिलते थे। जापान के नागोया से एक दोस्त ने उन्हें नाइकी के जूते भेजे थे, जबकि उन्होंने बदले में श्रीमद्भागवत गीता की प्रतियां भेजीं। वह गुजरात में विश्व संघ शिविर जैसे प्रवासी कार्यक्रमों के प्रमुख आयोजक भी थे। स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक शिकागो संबोधन के 100वें वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए मोदी?1993 में अमेरिका गए, जहां उन्होंने 'ग्लोबल विजन 2000' सम्मेलन में भाषण दिया। कई भारतीय परिवार 1997 में मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान उन्हें दी गई मेजबानी को याद करते हैं। नरेंद्र मोदी का प्रवासी समुदाय से संबंध अमेरिका और यूरोप से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वर्ष 2000 में विश्व हिंदू सम्मेलन के लिए त्रिनिदाद व टोबैगो की यात्रा के दौरान मोदी गुयाना भी गए। 'मिनी इंडिया' कहे जाने वाले मॉरीशस ने 1998 में रामायण सम्मेलन की मेजबानी की, जहां मोदी ने भगवान राम और मॉरीशस के साथ भारत के संबंधों पर भाषण दिया। उन्होंने उन्हें कम से कम पांच दोस्तों को भारत आने और देश के पर्यटन में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस सिलसिले में वह अक्सर 'चलो इंडिया' नारे का इस्तेमाल करते थे। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी ने गुजरात को वैश्विक निवेश के मानचित्र पर लाने के लिए अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव व प्रवासी संबंधों का लाभ उठाया। उन्होंने जापान, चीन, रूस, यूरोपीय देशों और अमेरिका जैसे कई देशों के साथ संबंध विकसित किए। 2001 के भूकंप के बाद जापान के ह्योगो प्रांत ने गुजरात के पुनर्निर्माण में अहम भूमिका निभाई। मोदी के नेतृत्व में, गुजरात ने लंदन, ज्यूरिख, जिनेवा और अन्य वैश्विक शहरों में वाइब्रेंट गुजरात रोड शो की मेजबानी की, जिससे वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलनों के लिए भागीदारी और निवेश आकर्षित हुआ। जब गांधीनगर में महात्मा मंदिर का निर्माण किया जा रहा था, तब उन्होंने दुनिया भर के गुजराती प्रवासियों से अपने क्षेत्रों से मिट्टी भेजने की अपील की और इस उद्देश्य के लिए कई देशों में कलश भेजे। अपने अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव और वैश्विक प्रवासी संबंधों के माध्यम से नरेंद्र मोदी ने स्थायी संबंध बनाए, जिससे गुजरात को आर्थिक, तकनीकी और सांस्कृतिक रूप से आगे बढ़ने में मदद मिली। बाद में, भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने प्रवासी समुदाय की क्षमता का और भी अधिक उपयोग किया। प्रधानमंत्री के रूप में प्रवासी भारतीयों से उनका संपर्क अमेरिका के ऐतिहासिक मैडिसन स्क्वायर गार्डन कार्यक्रम से शुरू हुआ और ह्यूस्टन में 'हाउडी मोदी' तथा 2024 में न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में 'मोदी एंड यूएस' जैसे कार्यक्रमों के साथ जारी रहा। लंदन में वेंबली स्टेडियम की सभा, यूएई में अहलान मोदी, तेल अवीव में हुए कार्यक्रम जैसे कई अन्य ऐतिहासिक आयोजन हुए। हजारों लोगों की उपस्थिति में सिडनी में हुए ऐतिहासिक प्रवासी कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने प्रधानमंत्री को 'मोदी बॉस हैं' की संज्ञा दी। भारत ने ऑपरेशन गंगा, ऑपरेशन संकट मोचन, ऑपरेशन राहत और वंदे भारत मिशन जैसे कई बचाव अभियानों के माध्यम से प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। इन प्रयासों ने वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते प्रभाव को भी उजागर किया।

अपने ही चक्रव्यूह में फंसा पाकिस्तान

महेंद्र वेद

पाकिस्तान अपने ही 'चक्रव्यूह' में फंस गया है। पाकिस्तान ने पहले अफगान तालिबान का पोषण किया और फिर काबुल में सत्ता?हथियाने में मदद की, लेकिन नतीजा क्या निकला? जो कल तक दोस्त था, वह आज दुश्मन बन बैठा है। बीते साल 25 दिसंबर को अफगान क्षेत्र में हवाई हमले करना पाकिस्तान की बड़ी सैन्य धृष्टता थी। जैसे ही साल समाप्त हुआ अफगानिस्तान के 15 हजार लड़ाकों ने चढ़ाई कर पाकिस्तान के सैनिकों पर हमला कर उनके कई चेकपोस्ट ध्वस्त कर दिए।

अफगान अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ 'काल्पनिक सीमा रेखा' को लेकर ऐतिहासिक विवाद का संदर्भ देते हुए कहा कि वह रेखा ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में खींची गई थी। 2,600 किलोमीटर लंबी सीमा अब हमले, रक्तपात और कूटनीतिक तनाव का सक्रिय स्रोत बन गई है। काबुल के तालिबान शासकों ने जवाबी कार्रवाई की, क्योंकि ऐसा नहीं करने से उनकी आंतरिक मतभेदपूर्ण स्थितियों पर असर पड़ सकता था, जिसमें हाल ही में एक शक्तिशाली मंत्री की हत्या भी शामिल थी। लंबे समय से चले आ रहे तनाव के नई ऊंचाई पर पहुंचने के कारण अब यह आसानी से रुकने वाला नहीं है। कूटनीतिक वार्ता फिर से शुरू हो गई है, लेकिन आसार अच्छे नहीं दिख रहे, क्योंकि समस्या की जड़ें ऐतिहासिक हैं। समाधान आसान नहीं है। इससे दक्षिण और मध्य एशिया तथा पहले से ही तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की सीमा वाले क्षेत्र में एक नया तनाव बढ़ गया है।

इससे वैश्विक स्तर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक नई चुनौती भी खड़ी हो गई है, जिनके बारे में माना जाता है कि वह इस क्षेत्र में अमेरिका के विरोधियों रूस, चीन और ईरान के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के इच्छुक हैं। चीन अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की सुरक्षा और क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक निवेश की स्थिति पर भी बारीकी से नजर रखे?हुए है। यह भारत के लिए भी एक संकेत है। भारत ने कई परियोजनाओं पर काम करते हुए अफगान तालिबान के साथ कामकाजी संबंध विकसित किए हैं। अफगानिस्तान में भारतीय उपस्थिति पाकिस्तान को बेचैन करती है, क्योंकि वह दो विरोधियों के बीच निकटता को खुद के लिए खतरे के रूप में देखता है। पूरी दुनिया ने काबुल शासन को मान्यता बेशक नहीं दी है, लेकिन वह किसी न किसी स्तर पर इसे देख ही रहा है। ऐसे में, अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर अशांत जनजातीय क्षेत्र, जो अल-कायदा और आईएसआईएस सहित विभिन्न आतंकी समूहों का गढ़ बना हुआ है, पर चिंता के साथ नजर रखने की जरूरत है। मौजूदा संकट की बात करें, तो पाकिस्तान व तालिबान के बीच सीमा पर पहले से ही उग्र झड़पें होती रही हैं। इस्लामाबाद का कहना है कि हवाई हमले में उसके अशांत दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे अफगानिस्तान के पक्तिका जिले में स्थित 'आतंकी शिविर' में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लड़ाके मारे गए हैं। वहीं, काबुल ने दावा किया कि जो 46 लोग मारे गए, उनमें सभी पीड़ित 'निर्दोष महिलाएं व बच्चे' थे।

इतना ही नहीं, अफगान तालिबान टीटीपी की मौजूदगी को भी नकारता है, जिसके 6,500 लड़ाकों ने उसे सत्ता हथियाने और अशरफ गनी की सरकार को गिराने में मदद की थी और अगस्त 2021 में अमेरिकी/नाटो सेना को बाहर कर दिया था। सबसे बड़ी बात, काबुल का कहना है कि टीटीपी पाकिस्तान का 'आंतरिक मुद्दा' है और इससे उसे खुद निपटना चाहिए। अफगान तालिबान के लिए, टीटीपी और करीब 30 हजार परिवारों को शरण और संरक्षण देना, भरोसे का मामला भी है। वे समान विचारों वाले वैसे ही 'मेहमान' हैं, जैसे कभी ओसामा बिन लादेन हुआ करता था। वास्तव में, दोनों ही अपने-अपने मुल्कों में इस्लामिक राज स्थापित करना चाहते हैं, जहां पश्तून और बलूच जनजातीय आबादी सामान्य रूप से बसी है। टीटीपी के लड़ाके पाकिस्तानी नागरिक हैं और वहां पनप रहे आतंकवाद में उनका योगदान सबसे ज्यादा है।

निस्संदेह, वे पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी चुनौती हैं, जो पहले से ही उत्तर में चीन सीमा से लेकर दक्षिण में बलूचिस्तान तक आतंकवाद से जूझ रहा है। पाकिस्तान के लिए यह समस्या और बदतर हो गई है, क्योंकि आतंकवाद का असर आदिवासी बेल्ट तक ही सीमित नहीं रहा है। जनता सेना, तालिबान व 'राष्ट्रवादियों' के बीच फंसी हुई है, जो नौकरियों, सुरक्षा और संसाधनों के लिए लड़ रहे हैं।

कूटनीतिक वार्ता के बीच पाकिस्तान ने हवाई हमला कर बड़ा जोखिम उठाया है, जिसकी वाजिब वजह भी स्पष्ट नहीं है। यह शक्तिशाली सेना के इशारे पर हो सकता है, जिसने बीते माह अपने सोलह सैनिकों को गंवा दिया था। टीटीपी के हमलों से चीन भी परेशान है, जिसने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर काम कर रहे अपने नागरिकों को खो दिया है। वह पाकिस्तान पर दबाव भी बना रहा है कि अगर वह चीनी नागरिकों की सुरक्षा में समर्थ नहीं है, तो चीन को अपने सैनिकों की तैनाती वहां करनी होगी। बीते साल मार्च से दिसंबर के बीच पाकिस्तान में 1,566 आतंकी हमले हुए, जिनमें 924 नागरिक मारे गए। इन बढ़ते हमलों के पीछे काबुल में अफगान तालिबान की वापसी को बताया जा रहा है। समाचार पत्र डॉन ने 26 दिसंबर, 2024 को चेताया था, 'एकतरफा हमले चिंताजनक हैं, क्योंकि इससे दुश्मनी का चक्र शुरू हो सकता है।'

पाकिस्तानी सुरक्षा विश्लेषक मोहम्मद आमिर राणा का मानना है कि जिस मित्रता के उद्देश्य से पाकिस्तान ने तालिबान को सत्ता पर काबिज होने में मदद की थी, वह अब पूरा होता नहीं दिख रहा है। चिंता की बात यह है कि पाकिस्तान का तालिबान पर असर कम हो रहा है। राणा का कहना है, 'अफगान तालिबान के संबंध अपने मध्य एशियाई पड़ोसियों के साथ-साथ रूस और चीन के साथ तुलनात्मक रूप से स्थिर हैं, जिसने तालिबान नेतृत्व को पाकिस्तान के मुकाबले खुद को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया है।' इसका असर भारत-पाकिस्तान संबंधों पर भी पड़ता है। राणा के अनुसार, 'तालिबान भारत के साथ कई उद्देश्यों को लेकर संबंधों को नया आकार देने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसका मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों में एक संतुलन लाना है। यह पाकिस्तान के लिए बहुत दुखदायी है।' देखने वाली बात होगी कि डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका इस चुनौती से कैसे निपटेगा, जहां बाइडन प्रशासन अपनी मौजूदगी और पहल को खो चुका है।

एकात्मता के स्वर — हरिद्वार (मायापुरी)

पर्वतराज हिमालय की गोद में पावन तीर्थ हरिद्वार बसा हुआ है। इस पवित्र स्थान को मायापुरी या गंगाद्वार के नाम से भी जाना जाता है। गंगा अवनि चल तीनि बडेरे।। रामचरित मानस इस पृथ्वी पर गंगा के जो तीन बडे स्थल हैं उनमें हरिद्वार प्रथम है। यहाँ पर आकर गंगा सात धाराओं में विभक्त होकर पुन: आगे चलकर एकरूप हो जाती है।

भारतवर्ष में प्रति बारह वर्ष में कुंभ का मेला लगता है। हरिद्वार में भी प्रति बारह वर्ष में कुंभ का मेला आयोजित किया जाता है। यहाँ पर अनेक प्राचीन तथा नवीन आश्रम व मंदिर बने हुए हैं। कनखल नाम का प्रसिद्ध तीर्थ भी यहीं पर है जहाँ प्रजापति दक्ष ने एक विशाल यज्ञ किया था। जहाँ पर द्वेष के कारण अपने जामाता भगवान् शिव का अपमान करने की दृष्टि से नहीं बुलाया था पर शिव के मना करने पर भी सती अपने पिता के यज्ञ में आयी और पति अपमान से आहत होकर यज्ञ कुण्ड में कूदकर प्राण दे दिये थे। भगवान् नीलकंठ, बिल्वेश्वर, कुशावर्त प्रमुख तीर्थ हैं। यहीं पर कुब्जाभ्रक (ऋषिकेश) पवित्र तीर्थ है। बद्रीविशाल की यात्रा जाते समय पहले मिलने वाला यह प्रमुख तीर्थ है। सैकड़ों-हजारों ऋषि-मुनि ज्ञात और अज्ञात रूप से आज भी इस पवित्र पुरी का आश्रय लेकर निवास कर रहे हैं। हिमालय की अनुपम छटा यहाँ से देखते ही बनती है। इसे इस धरती का स्वर्ग कहा जाता है। स्नान के लिये गंगा का प्रत्येक स्थान पवित्र है। तथापि हर की पौडी का स्नान उसमें श्रेष्ठ माना जाता है। सायं को होने वाली गंगाजी की आरती भक्तों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करती है। भारत के सभी पंथ-सम्प्रदायों के आश्रम यहाँ बने हुए हैं। क्षेत्र के आस-पास ही सप्तसरोवर, मनसादेवी, भीमगोडा आदि स्थापित तीर्थ हैं।

भारतवर्ष की सांस्कृतिक एकता का दर्शन कराने वाला सात मंजिला भारत माता मंदिर बना हुआ है जिसे निवृतमान शंकराचार्य जगदगुरु स्वामी सत्यमित्रानन्द जी ने परिश्रम कर बनवाया है। इसी मैया के तट पर धार्मिक मूल्यों का संरक्षण करने वाली संस्था शांतिकुंज स्थित है। गंगोत्री से निकलने वाली माँ गंगा तीन सौ बीस किलोमीटर की पर्वतीय यात्रा कर यहीं से मैदानी भाग में प्रवेश करती हैं।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

उपर्युक्त श्लोक में प्रान्त-विशेषों में यवन राज्य बताना अभीष्ट नहीं, बल्कि यवन-शासित भारत की सीमाओं का निर्देश करना ही इसका तात्पर्य है। सो दक्षिण के सुदूरवर्ती कांजीवरम् स्थान से उत्तर के काश्मीर तक, कन्धार तथा अटक से सौवीर पर्यन्त जिस राज्य की सीमा हो वह राज्य भारत के सभी प्रान्तों में फैला हुआ माना जाएगा।

हम नहीं समझते महाशय जी समस्त भारत का इससे अच्छा और क्या सीमाबन्धन वाहते हैं? हम तो उक्त देशविशेषों के नामोल्लेख को भौगोलिक वर्णनशैली का उज्ज्वल उदाहरण समझते हैं, परन्तु महाशय जी वेदव्यास जी जैसे सुलेखक की कलम से भी सीधा अटकल पच्चू समस्त भारत शब्द लिखा जाना पसन्द करते हैं।

इसलिये ब्रह्मवैवर्तपुराण में यह श्लोक भविष्यवाणी के रूप में ही वेदव्यास जी ने लिखा था, जो समय पाकर सोलह आने ठीक निकला। अतएव उक्त पुराण व्यासकृत और प्राचीन है ।

(17) गरुडपुराण अध्याय 55 में लिखा है कि - पूर्वे किरातास्तस्यास्ते पश्चिमे यवना: स्थिता:।

अर्थात्- भारत के पूर्व की ओर किरात और पश्चिम में यवन बसते हैं, भला पण्डित जी महाराज ! क्या व्यास जी के समय में इस भारत- खण्ड में मुसलमान रहते थे, कदापि नहीं, इससे जाना जाता है कि यह पुराण भी थोड़े ही समय का बना हुआ है।

(18) प्रतिवादी ने यहाँ भी यवन शब्द का अर्थ मुहम्मडन मुसलमान मान कर आंक्षेप किया है। हम नौवें आक्षेप के समाधान में यवन शब्द का विस्तृत विवेचन कर आये हैं, तदनुसार यहाँ भी भारत से पश्चिम- दिग्वर्ती यूनानियों का ही उल्लेख है। अत: इस पुराण के भी व्यासकृत होने में कोई बाधा नहीं आ सकती।

क्रमश: ...

विश्व हिन्दी दिवस

ललित गर्ग

विश्व हिन्दी दिवस प्रति वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिये जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विश्व हिंदी दिवस पहली बार 10 जनवरी, 2006 को मनाया गया था। आज हिन्दी विश्व की सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा है, विश्व में हिन्दी की प्रतिष्ठा एवं प्रयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, लेकिन देश में उसकी उपेक्षा एक बड़ा प्रश्न है। सच्चाई तो यह है कि देश में हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को जो सम्मान मिलना चाहिए, वह स्थान एवं सम्मान अंग्रेजी को मिल रहा है। अंग्रेजी और अन्य विदेशी भाषाओं की सहायता जरूर ली जाए लेकिन तकनीकी एवं कानून की पढ़ाई के माध्यम के तौर पर अंग्रेजी को प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। आज भी भारतीय न्यायालयों में अंग्रेजी में ही कामकाज होना राष्ट्रीयता कमजोर कर रहा है। राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रीय प्रतीकों की उपेक्षा एक ऐसा प्रदूषण है, एक ऐसा अंधेरा है जिससे ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। राष्ट्र-भाषा को लेकर छाई धुंध को मिटाने के लिये कुछ ऐसे ठोस कदम उठाने ही होंगे।

कितने दुख की बात है कि आजादी के 75 साल बाद भी राजधानी दिल्ली सहित महानगरों में ही नहीं बल्कि हमारे दूर-दराज के जिलों में राज्य सरकारें अपना कामकाज अंग्रेजी में करती हैं। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद ही हिन्दी को हर क्षेत्र में प्रचारित-प्रसारित करने के लिए 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाता है। अंग्रेजी के वर्चस्व के कारण आज भी हिन्दी भाषा को वह स्थान प्राप्त नहीं है, जो होना चाहिए। विशेषत: अदालतों में आज भी अंग्रेजी का वर्चस्व कायम रहना, एक बड़ा प्रश्न है। देश की सभी निचली अदालतों में संपूर्ण कामकाज हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में होता है, किंतु उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में यही काम केवल अंग्रेजी में होता है। यहां तक कि जो न्यायाधीश हिंदी व अन्य भारतीय भाषाएं जानते हैं वे भी अपीलीय मामलों की सुनवाई में दस्तावेजों का अंग्रेजी अनुवाद कराते हैं।

आमजन के लिए न्याय की भाषा कौन-सी हो, इसका सबक भारत और भारतीय न्यायालयों को अबू धाबी से लेने की जरूरत है। संयुक्त अरब अमीरात यानि दुबई और अबू धाबी ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अरबी और अंग्रेजी के बाद हिंदी को अपनी अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है।

ट्रूडो का इस्तीफा और भारत-कनाडा संबंध

डॉ कृष्ण कुमार रत्तू ट्रूडो

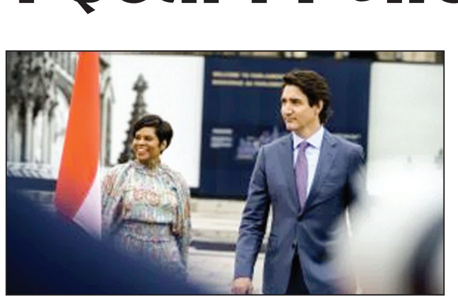

एक लंबे विरोधाभास एवं भारी उथल-पुथल भरी राजनीतिक परिस्थितियों के चलते, अंतत: कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है।? इस इस्तीफे के बाद भारत-कनाडा के बीच एक नये दौर की राजनीतिक तथा कूटनीतिक संबंधों की शुरुआत हो सकती है। उद्योग और अर्थव्यवस्था के अंतरराष्ट्रीय संभावनाओं के असीमित अवसरों से भरा हुआ यह देश पिछले छह महीने से राजनीतिक उठापटक और जस्टिन ट्रूडो की नीतियों के कारण सुर्खियों में बना हुआ था।

जस्टिन ट्रूडो बीते नौ वर्षों से कनाडा के प्रधानमंत्री थे और कनाडा की धरती से खालिस्तानी तथा अन्य अलगाववादी तत्वों को खुली छूट देने के साथ धमकियों का दौर भी चला रहे थे। अपनी इसी तरह की अंतरराष्ट्रीय नीतियों के कारण वे कई वर्षों से अपनी पार्टी के अंदर भी तीखी आलोचनाओं का सामना कर रहे थे। जस्टिन ट्रूडो पिछले 11 वर्षों से लिबरल पार्टी के नेता के तौर पर तथा नौ वर्षों से कनाडा के प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर रहे थे। उधर निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मिल रही धमकियों तथा कनाडा के भीतरी जनमत सर्वेक्षणों के कारण पार्टी ने उन्हें पद छोड़ने के लिए कह दिया था। वास्तव में, कनाडा के प्रधानमंत्री का इस्तीफा ऐसे समय में हुआ है, जब वह पिछले कई वर्षों से लगातार खालिस्तान समर्थक आतंकियों को खुश करने तथा अपनी लोकप्रियता को बनाये रखने में लगे हुए थे।

भारत सरकार द्वारा लगातार दबाव बनाने तथा अन्य अल्पसंख्यकों, विशेषकर कनाडा स्थित हिंदू मंदिरों तथा हिंदू समुदाय के संस्थानों पर हमला करने के कारण जिस तरह से कनाडा में उनके विरुद्ध एक जनमत तैयार हुआ, उससे लगने लगा था कि अंतत ट्रूडो को जाना पड़ेगा। इन खबरों के बीच यह जानना अत्यंत आवश्यक है कि 153 सीटों में से 131 सांसद जस्टिन ट्रूडो के खिलाफ थे, इसी कारण ट्रूडो के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया था।

जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफा देने के बाद राजनीतिक हलचल शुरू हो गयी है कि अब कनाडा के प्रधानमंत्री पद पर कौन काबिज होगा। ट्रूडो के बाद लिबरल पार्टी के जिस नेता का सामने आया है, उनमें जार्ज चहल और अनीता आनंद के साथ-साथ क्रिश्चियन फ्रीलैंड को भी बड़ा दावेदार माना जा रहा है। वरिष्ठ लिबरल कैबिनेट मंत्री डायनेमिक बिलॉन्ग का नाम भी आगे चल रहा है। क्रिस्टल क्लार्क भी इस पद के लिए रेस में हैं। जो भी हो भारत के लिए इस परिवर्तन के दौर से नये रिश्तों का दौर शुरू होने की संभावना है।

यहां यह उल्लेख जरूरी है कि जस्टिन ट्रूडो के समय भारत के साथ कनाडा के रिश्ते बेहद निम्न स्तर पर पहुंच गये थे, और स्थिति तू-तू मैं-मैं तक आ गयी थी। जबकि कूटनीतिक तथा अंतरराष्ट्रीय संधि के अनुसार यह नहीं होना चाहिए था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कनाडा में इस समय चार लाख, 27 हजार छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि 15 लाख से अधिक भारतीय कनाडा में पक्के तौर पर रह रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि जस्टिन ट्रूडो सरकार ने फास्ट्रैक वीजा खत्म करने से पहले और भी कई ऐसे निर्णय लिये थे जो भारत के विरुद्ध थे। इसी कारण इस वर्ष भारतीय विद्यार्थियों की संख्या में 35 प्रतिशत की कमी आयी है जो कनाडा की अर्थव्यवस्था के लिए एक अप्रत्यक्ष घाटा है। ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा की घरेलू नीतियों में बदलाव के साथ उसकी अंतरराष्ट्रीय व कूटनीतिक नीतियों में भी बदलाव दिखेगा जिसका सर्वाधिक लाभ भारत को होगा। ट्रूडो ने वोट बैंक की खातिर कनाडा में रह रहे भारतीय हिंदू-सिख समुदाय के बीच जो दरार डालने का काम किया था, अब वह भी भर जायेगा।

लिबरल पार्टी यदि दोबारा सत्ता में आती भी है, तो उसको भारत के साथ अपने राजनीतिक संतुलन को बनाये रखने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। हालांकि यह भी सच है कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को जिस तरह से जस्टिन ट्रूडो ने भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में प्रयोग किया था तथा उसके बाद भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा के साथ दुर्व्यवहार किया था, उसने भारत तथा कनाडा के बीच में बढ़ रहे व्यापारिक संभावनाओं को भी खत्म करना शुरू कर दिया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2024 के वित्तीय वर्ष के अंत तक कनाडा-भारत व्यापार 8 ।5 बिलियन डॉलर तक पहुंचा गया था।

भारतीय समुदाय के लोगों का निरंतर कनाडा आना-जाना लगा रहता है। भारत से फार्मास्युटिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा कीमती पत्थर कनाडा पहुंचते हैं तथा कनाडा से मिनरल, पोटाश की चीजें भारत में आती हैं। यहां एक दूसरा पक्ष भी है कि यदि कनाडा में कंजरवेटिव पार्टी सत्ता में आती है तो उसके फ्रेंच मूल के नेता प्रिय पॉलीमर भी भारत के साथ एक नयी शुरुआत करना चाहेंगे।? राजनीतिक तथा कूटनीतिक संकेतों से जो पता चलता है वह यह कि वे श्रमिकों के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने सदैव जस्टिन ट्रूडो की नीतियों की आलोचना की है और कनाडा को एक नयी नीति पर चलाने का संकल्प लिया है।

प्रधानमंत्री बनने से पहले ट्रूडो की गिनती अपने पिता की तरह ही इस देश के चेहेते नेताओं में होती थी, परंतु जिस तरह से उन्होंने खालिस्तान समर्थकों को प्रोत्साहन दिया, उसने उनकी छवि को बिगाड़ दिया। किसी समय जस्टिन ट्रूडो को प्रतिवादी सोच के लिए दुनिया का एक नया चेहरा माना जाता था, परंतु धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता समाप्त होती गयी और ऐसा तब हुआ जब उन्होंने भारत के साथ अपने कूटनीतिक तथा राजनीतिक संबंधों में कड़वाहट घोलना शुरू किया। कनाडा में रहने वाले सिख समुदाय के वोटों की खातिर उन्होंने खालिस्तान का समर्थन किया और हिंदुओं पर हुए हमलों पर भी अधिकतर चुप्पी साधे रखी। कनाडा की लोकतांत्रिक छवि को सर्वाधिक नुकसान जस्टिन ट्रूडो के समय में हुआ है और उनके इस्तीफे के बाद भारत-कनाडा के संबंधों का एक नया दौर शुरू हो सकता है।

कनाडा में यदि विरोधी पक्ष सत्ता में आता है, तो यह मान कर चलिए कि फिर भारत और कनाडा के बीच व्यापार की एक नयी श्रृंखला शुरू होगी तथा भारतीयों में सद्भाव तथा समृद्धि के एक नये अध्याय के शुरू होने की उम्मीद है। भारत ने कूटनीतिक प्रयासों के द्वारा पहले से ही कनाडा को यह बता दिया है कि वह अपने लोगों की तथा भारतीय दूतावास के कर्मचारियों की सुरक्षा के बिना कोई भी अन्य समझौता नहीं करेगा। ऐसे में जाहिर सी बात है कि नयी सरकार इस मामले में फूंक-फूंक कर कदम रखेगी।

आज का इतिहास

1901 सिनसिनाटी शहर में स्थित ग्रैंड ओपेरा हाउस आग लगने से नष्ट हो गया।

1923 अंतिम अमेरिकी सेना ने राइनलैंड (जर्मनी) छोड़ा।

1927 साइंस फिक्शन फिल्म मेट्रोपोलिस, जो यूनेस्को की मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में अंकित है, जर्मनी में जारी की गई थी।

1929 बेल्जियम के कलाकार हेर्गे द्वारा बनाई गई लोकप्रिय कॉमिक किताबों की एक श्रृंखला द एडवेंचर्स ऑफ टिनटिन, पहली बार बेल्जियम के अखबार ले विन्गिएमे सिएल के बच्चों के पूरक में दिखाई दी।

1941 ग्रीको-इतालवी युद्ध: ग्रीक सेना ने अल्बानिया में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्लिसुरा पास पर कब्जा कर लिया।

1946 लंदन में संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली बैठक में 51 राष्ट्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

1954 बीओएसी फ्लाइट 781 को ऊंचाई पर एक विस्फोटक अपघटन का सामना करना पड़ा और भूमध्य सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे सभी लोग मारे गए।

1954 ब्रिटेन का कॉमेट जेट भूमध्यसागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें विमान में सवार सभी 35 लोग मारे गए थे। कॉमेट दुनिया का पहला जेट विमान था जिसे ब्रिटेन ने बनाया था।

1985 सर क्लाइव सिंक्लेयर ने सिंक्लेयर सी 5 व्यक्तिगत इलेक्ट्रिक वाहन, युद्ध के बाद के ब्रिटिश उद्योग के महान विपणन बमों में से एक को लॉन्च किया, जो बाद में एक कल्ट कलेक्टर का आइटम बन गया।

1993 उत्तरी अटलांटिक में अब तक दर्ज सबसे मजबूत अतिरिक्त चक्रवात ब्रेयर स्टॉर्म अपनी चरम तीव्रता पर पहुँच गया।

1996 इजरायली सरकार ने सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों को मुक्त कर दिया।

1997 18 वां यूनाइटेड नीग्रो कॉलेज अपनी निधि बढ़ाता है। यह 17 जनवरी को प्रसारित किया जाएगा।

2003 शिकागो पुलिस के जासूस जॉन बर्ज को 200 से अधिक संदिग्धों से जबरन कबूल करने के लिए खोजा जाने के बाद, इलिनोइस के गवर्नर जॉर्ज रयान ने 167 कैदियों की मौत की सजा सुनाई और चार और माफ कर दिए।

दिल्ली के गारंटियों की जंग में कौन आगे कौन पीछे ?

अभिनय आकाश

दिल्ली के तख्त पर जनता किसे बिठाना चाहती है इसके लिए तो पूरे देश में बीते साल चुनाव हो गए। लेकिन खुद दिल्ली की जनता इस प्रदेश में मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है, इसकी घड़ी अब नजदीक आ गई है। दिल्ली में 5 फरवरी को चुनाव होने हैं और इस बड़े घमासान के लिए जमीन तैयार हो रही है और सबसे बड़े जंग में हर महारथी अपना सबसे धारदार हथियार आजमाने की कोशिश में है। ऐसे में चर्चा ये भी चल पड़ी है कि आखिर किसके दावों का रंग कितना चोखा होगा और किसके वादों का रंग सिर्फ और सिर्फ धोखा होगा। दिल्ली के चुनावी दंगल में हर बार की तरह इस बार भी विभिन्न पार्टियों की तरफ से ताल ठोके जा रहे हैं लेकिन असल मुकाबला तो सिर्फ तीन पार्टियों के बीच ही है। जिन्होंने जनता के सामने अपने वादों-इरादों का पिटारा खोल दिया है।

आम आदमी पार्टी

वर्ष 2012 में गठित आप, 2013 के विधानसभा चुनावों में महत्वपूर्ण चुनावी प्रदर्शन के साथ दिल्ली के राजनीतिक मानचित्र पर उभरी थी, जिसमें उसने कुल 70 में से 28 सीटें जीती थीं और 29.5 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। भाजपा ने तब 32 सीटें और कांग्रेस ने 8 सीटें जीतीं, जिनका वोट प्रतिशत क्रमशः 32.3 और 24.6 था। आप के राजनीतिक प्रभुत्व का युग वर्ष 2015 में 54.3 प्रतिशत वोटके साथ जीते गए विशाल जनादेश के साथ शुरू हुआ। साल 2015 के विधानसभा चुनाव में आप ने प्रचंड बहुमत हासिल किया और पार्टी ने 70 विधानसभा सीटों में से 67 पर जीत हासिल की। भाजपा को तीन सीटें मिलीं, जबकि कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली, जिसका वोट प्रतिशत क्रमशः 32.2 और 9.7 रहा। 2020 के चुनावों में भी कमोबेश ऐसा ही प्रदर्शन दोहराया गया, जिसमें भाजपा को आठ सीट और 39 प्रतिशत वोट मिले। आप ने 53.6 प्रतिशत वोट के साथ 62 सीटें जीतीं। कांग्रेस फिर से कोई सीट जीतने में विफल रही और उसका वोट प्रतिशत आधा होकर 4.3 प्रतिशत रह गया।

60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए संजीवनी योजना : आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में उनकी पार्टी के सत्ता में लौटने पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के नि:शुल्क उपचार के लिए 'संजीवनी योजना' शुरू की जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि रामायण में एक कहानी पढ़ते हैं न जब लक्ष्मण मूर्छित हुए थे तो हनुमान जी उनके लिए संजीवनी बूटी लेकर आए थे। आज दिल्ली के बुजुर्गों के लिए मैं संजीवनी योजना का ऐलान करने जा रहा हूं। योजना की पात्रता में इनकम लिमिट की बाधा भी आड़े नहीं आएगी। ये योजना केंद्र की आयुष्मान भारत से बिल्कुल अलग है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि बुढ़ापे में एक चीज सभी को तकलीफ देती है। जैसे जैसे उम्र बढ़ती है वैसे वैसे 100 बीमारियां आदमी को आकर घेर लेती हैं। सबसे बड़ी चिंता इलाद की होती है। ऐसे लोगों को भी जानता हूं जो अच्छे खासे परिवार से आते हैं। लेकिन उनके बच्चे उनका ख्याल नहीं रखते हैं। बुढ़ापे में मैंने अच्छे अच्छे परिवार के मां-बाप, बुजुर्गों को तड़पते देखा है। मां-बाप को उनके बच्चों ने छोड़ दिया। लेकिन आप चिंता मत करना आपका ये बेटा अभी जिंदा है।

महिलाओं को 2100 का वादा: महिला सम्मान योजना का ऐलान किया। इसके तहत दिल्ली की 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये जबकि चुनाव जीतने के बाद 2100 रुपये मिलना शुरू हो जाएंगे। इस योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष की आयु की महिलाओं को मिलेगा और इसकी पात्रता की शर्तें हैं। आप अपने चुनावी दफ्तरों में महिलाओं के रजिस्ट्रेशन भी कर रही है और उनकी जानकारी केजरीवाल कवच में अपलोड कर रही है।

पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना? : राष्ट्रीय राजधानी में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले आप प्रमुख ने पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना शुरू की। इस योजना के तहत केजरीवाल ने दिल्ली में अपनी पार्टी की सत्ता में वापसी के बाद शहर में हिंदू मंदिर के पुजारियों और गुरुद्वारा ग्रंथियों को 18,000 रुपये का मासिक सम्मान देने का वादा किया। केजरीवाल ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पुजारी और ग्रंथी हमारे समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन वे अक्सर उपेक्षित वर्ग हैं। देश में पहली बार, हम उन्हें समर्थन देने के लिए एक योजना शुरू कर रहे हैं, जिसके तहत उन्हें 18,000 रुपये का मासिक भत्ता मिलेगा। केजरीवाल ने कहा कि आप कार्यकर्ताओं द्वारा शहर भर के अन्य मंदिरों और गुरुद्वारों

में भी पंजीकरण किया जाएगा।

ऑटो वालों के लिए केजरीवाल की 5 गारंटियां: आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गारंटी की श्रृंखला के तहत राष्ट्रीय राजधानी में ऑटो चालकों के लिए 10 लाख रुपये की जीवन बीमा योजना की घोषणा की। केजरीवाल ने अपने आवास पर एक ऑटो चालक के साथ दोपहर का भोजन करने के बादअपने पोस्ट में उन्होंने दिल्ली में,क्क के सत्ता में लौटने पर ऑटो रिक्शा चालकों के लिए पांच गारंटी के बारे में विस्तार से बताया। प्रत्येक ड्राइवर के लिए 10 लाख रुपये तक का जीवन बीमा और 5 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा होगा। बेटी की शादी के लिए 1 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। वर्दी के लिए साल में दो बार 2500 रुपये मिलेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों की कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। %'पूछो ऐप' फिर से चालू होगा।

कांग्रेस

दिल्ली में लगातार 15 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस पिछले दो विधानसभा चुनावों में अपना खाता भी खोल नहीं सकी है। हालांकि कांग्रेस नेता पांच फरवरी को होने वाले चुनाव के लिए अपनी जमीन को मजबूती प्रदान करने में जुटे हैं। वर्ष2013 में पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था, लेकिन तब से उसके पास दिल्ली में एक प्रमुख, व्यापक रूप से पहचान वाले नेता की कमी है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद, पार्टी के निचले कार्यकर्ताओं में उत्साह की कमी हो सकती है, जो उसके चुनावी अभियान प्रयासों में बाधा बन सकती है। कांग्रेस के लिए सबसे बड़ा अवसर यह है कि पार्टी के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि पिछले दो कार्यकाल से दिल्ली विधानसभा में उसका एक भी विधायक नहीं है। पार्टी के पास इस चुनाव में अपने पारंपरिक वोट बैंक को फिर से हासिल करने का अवसर है जो हाल के वर्षों में आप में स्थानांतरित हो गया है। अगर उसे कुछ सीटें भी मिलती हैं तो इससे पार्टी और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा।

प्यारी दीदी योजना: कांग्रेस ने 'प्यारी दीदी योजना' की घोषणा की है। उसने वादा किया है कि सत्ता में आने पर महिलाओं को 2,500 रुपये की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी। कांग्रेस का कहना है कि दिल्ली की सत्ता में आने पर पहली कैबिनेट बैठक में इस योजना को लागू किया जाएगा। कर्नाटक में कांग्रेस ने महिलाओं को लेकर इसी मॉडल पर गृह लक्ष्मी योजना लागू की है। दिल्ली के लिए प्यारी दीदी योजना नाम दिया है।

फ्री में होगा 25 लाख तक का इलाज: कांग्रेस ने जीवन रक्षा योजना स्कीम लॉन्च की. पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में दिल्ली की सत्ता में आने पर 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर देने का वादा करती है। यह दिल्ली की जनता के लिए कांग्रेस की दूसरी गारंटी है। इससे पहले 6 जनवरी को कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना नाम से एक योजना लॉन्च की थी। उस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा की गई थी. पार्टी ने कहा है कि अगर वह सत्ता में आई तो दोनों योजनाओं को प्रमुखता से लागू किया जाएगा। इस योजना के तहत 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसी तरह की एक पहल राजस्थान में शुरू की गई, जिसमें सभी निवासियों के लिए बिना किसी अनिवार्य शर्त या प्रतिबंध के 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज की पेशकश की गई, जिससे समावेशिता सुनिश्चित हुई।

भाजपा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने नारे 'परिवर्तन' और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ लक्षित अभियान पर ध्यान केंद्रित करके 26 साल से अधिक समय बाद दिल्ली में सत्ता में आने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। भाजपा दिल्ली में आखिरी बार दो दिसंबर 1993 और तीन दिसंबर, 1998 के बीच सत्ता में थी,जब राष्ट्रीय राजधानी में तीन मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज रहे। भाजपा द्वारा घोषित 29 उम्मीदवारों में अनुभवी नेता शामिल हैं। उसने हाल ही में पार्टी में शामिल हुए कई प्रमुख 'बाहरी लोगों' को मैदान में उतारा है, जिनमें गांधी नगर से दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, मंगोलपुरी से आप के पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान, बिजवासन से आप सरकार में पूर्व परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत और पटेल नगर से आप के पूर्व मंत्री राज कुमार आनंद शामिल हैं।

10 जनवरी को बैठक

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति की 10 जनवरी को बैठक होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, सीईसी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और राजनाथ सिंह समेत अन्य सदस्य मौजूद रहेंगे। भाजपा अपने नारे परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करने और शराब नीति मामले सहित घोटाले के आरोपों पर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप के खिलाफ एक लक्षित अभियान पर ध्यान केंद्रित करने के बाद दो दशकों से अधिक समय तक दिल्ली में सत्ता में वापस आने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

बहरहाल, कुल मिलाकर कहे तो राजनीतिक घरानों ने मतदाताओ को एक ऐसे बाज़ार के शक्ल में शुमार कर लिया है जो उनके वादों के खरीदार बन ही जाय चाहे वो शराब पीकर बने या फिर नोट लेकर या फ़िर मुफ्त की किसी योजना के तहत! मतलब साफ़ है कि तरीका जो भी हो और नीतियां जो भी बने राजनीतिक परिपाटी तो हमेशा इस बाज़ार पर कब्जा जमाने की ही रहेगी ! ये यूं ही चलता रहेगा। ये चुनाव गुजर जाएगा और फिर अगला चुनाव आएगा कब चुनाव घोषणा होने से पहले सड़कें ठीक हो जाएंगी। चौबीस घंटें बिजली और पानी की व्यवस्था हो जाएगी और फिर से शुरू हो जाएगाा किए गए कामों की गिनती कराना और आने वाली सत्ता को फिर से हासिल करने के लिए नए वादों को परोसना क्योंकि किसी ने सच ही कहा है की चुनाव उस बारिश की तरह है जो आने के कुछ समय पहले अपनी भीनी खुशबू में लोगों को मदमस्त कर देता है और जब ये बारिश तेज होती है इसमें भींगने का मजा भी आता है लेकिन बाद मे वैसा ही रहता है जैसा की बारीश के बाद का कीचड़।

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का बड़ा योगदान

ललित गर्ग

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊर्जावान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म, परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है। दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8 ।5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे बड़ी आबादी है। अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहां मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत बनाए रखने से ही साझा पहचान मिली है।

भारत पर लगे परमाणु प्रतिबंध हटाएगा अमेरिका

वीके/सीके

अमेरिका ने भारतीय परमाणु संस्थानों पर लगे पुराने प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य भारत के साथ ऊर्जा संबंधों को मजबूत करना और 20 साल पुराने ऐतिहासिक परमाणु समझौते को नई रफ्तार देना है। यह जानकारी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन ने नई दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान दी।

सुलिवन ने अपने दौरे के दूसरे दिन एक कार्यक्रम में कहा, अमेरिका उन नियमों को हटाने की प्रक्रिया में है, जो भारत और अमेरिकी कंपनियों के बीच नागरिक परमाणु सहयोग में रुकावट डाल रहे थे। उन्होंने कहा कि ये औपचारिकताएं जल्द पूरी हो जाएंगी और इससे दोनों देशों के बीच परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे। भारत को अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों की सप्लाई पर बातचीत 2000 के दशक के मध्य से चल रही है। 2007 में तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने एक समझौते पर दस्तखत किए थे, जो भारत को अमेरिकी नागरिक परमाणु तकनीक बेचने की अनुमति देता है।

हालांकि, इस साझेदारी में कई अड़चनें आई हैं। खासकर भारत के परमाणु दायित्व

कानूनों को लेकर। ये कानून अंतरराष्ट्रीय मानकों से अलग हैं। दुनियाभर में, किसी परमाणु दुर्घटना की जिम्मेदारी आमतौर पर संयंत्र चलाने वाली कंपनी की होती है, न कि संयंत्र बनाने वाले की। लेकिन भारत के सख्त नियमों की वजह से विदेशी सप्लायरों के साथ समझौते मुश्किल हो गए। इसी कारण भारत का 2020 तक 20,000 मेगावाट परमाणु ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य अब 2030 तक खिसक गया है।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद कई भारतीय संस्थानों पर प्रतिबंध लगाए थे। हालांकि, समय के साथ कई प्रतिबंध हटा लिए गए, 2010 में दोनों देशों के बीच परमाणु सहयोग को लेकर समझौता भी हुआ था। लेकिन अभी भी भारत के कुछ रिएक्टर, परमाणु ऊर्जा संयंत्र और परमाणु ऊर्जा विभाग की इकाइयां इस सूची में हैं। अब सुलिवन के बयान से संकेत मिलता है कि इन प्रतिबंधों को हटाने पर गंभीरता से काम हो रहा है। उन्होंने कहा, यह उन संस्थानों के लिए नए अवसर पैदा करेगा, जो अभी तक प्रतिबंधों की सूची में थे।

सुलिवन की यह यात्रा अमेरिका और भारत के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह सहयोग खासतौर पर रक्षा, अंतरिक्ष और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे क्षेत्रों में बढ़ रहा है। 2022 में दोनों देशों ने एक तकनीकी पहल शुरू की थी। इसका मकसद सेमीकंडक्टर उत्पादन और एआई विकास में सहयोग करना था। इसी पहल के तहत जनरल इलेक्ट्रिक और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच भारत में जेट इंजन बनाने का समझौता हुआ। सुलिवन की यात्रा का उद्देश्य इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाना और नई साझेदारियों के रास्ते तलाशना है।

यह दौरा बाइडेन प्रशासन के आखिरी बड़े भारत दौरे के रूप में देखा जा रहा है। सुलिवन ने बताया कि भारत-अमेरिका साझेदारी की अमेरिका की क्षेत्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं में केंद्रीय भूमिका है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस। जयशंकर से मुलाकात की।

हालांकि, दोनों देशों के रिश्तों में कुछ तनाव भी रहे हैं। 2023 में अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार के एक अधिकारी का न्यूयॉर्क में एक सिख कार्यकर्ता की हत्या की साजिश में हाथ था। इसके अलावा कनाडा में एक सिख कार्यकर्ता की हत्या ने भी विवाद खड़ा किया था। लेकिन इन घटनाओं से द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक तस्वीर पर असर नहीं पड़ा है। परमाणु व्यापार प्रतिबंध हटने से भारत के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी प्रगति हो सकती है। 2019 में दोनों देशों ने भारत में छह अमेरिकी परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने पर सहमति जताई थी। यह परियोजना अब तेज हो सकती है। भारत में ऊर्जा की बढ़ती मांग को देखते हुए, अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के जरिए परमाणु ऊर्जा का दोहन महत्वपूर्ण है। भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र अभी तक कड़े कानूनों और बाधाओं से जूझ रहे हैं। उन्हें इस कदम से नई दिशा मिल सकती है। इससे न सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा, बल्कि तकनीक, रक्षा और वैश्विक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी रिश्ते मजबूत होंगे। सुलिवन ने कहा, इन बाधाओं को दूर कर हम पुराने विवादों को पीछे छोड़ सकते हैं। यह कदम दोनों देशों के लिए एक नए युग की शुरुआत का संकेत है।

'सबका साथ, सबका विकास' का भागवत मंत्र ?

हरीश गुप्ता

मंदिर-मस्जिद मुद्दे पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान से हो सकता है संघ परिवार के कुछ कट्टरपंथियों समेत साधु-संत नाराज हों। भागवत ने कुछ दिन पहले कहा था, 'हर दिन एक नया मामला (विवाद) उठाया जा रहा है। इसकी अनुमति कैसे दी जा सकती है? यह जारी नहीं रह सकता। मंदिरों का पता लगाने के लिए मस्जिदों के सर्वेक्षण की कई मांगें हाल के दिनों में अदालतों तक पहुंच गई हैं।' भागवत ने आगे कहा कि कुछ लोग यह मानने लगे हैं कि ऐसे मुद्दे उठाकर वे हिंदुओं के नेता बन सकते हैं।

हालांकि भागवत ने अपने व्याख्यान में किसी का नाम नहीं लिया। लेकिन इस पर देश भर में बवाल मच गया और कई राजनीतिक दलों और समूहों ने भागवत की आलोचना की। दिलचस्प बात यह है कि भागवत के बयान पर अभी तक पार्टी समेत किसी भी भाजपा नेता ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। यहां तक कि 2017 में आरएसएस के कहने पर यूपी के मुख्यमंत्री बने योगी आदित्यनाथ ने भी चुप रहना ही बेहतर समझा। यह जानना दिलचस्प होगा कि योगी को भाजपा हाईकमान की इच्छा के विरुद्ध मुख्यमंत्री बनाया गया था, जो मनोज सिन्हा को मुख्यमंत्री बनाने के लिए उत्सुक था, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल हैं। लेकिन राज्य में हर दूसरे दिन मंदिर-मस्जिद से जुड़ा कोई नया विवाद देखने को मिल रहा है।

आरएसएस के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि भागवत के बयान का उद्देश्य मंदिर मुद्दे के कारण राजनीतिक जमीन

खोने की भाजपा की चिंताओं के मद्देनजर धार्मिक गुस्से को शांत करना था। आखिरकार, भाजपा आम चुनावों से कुछ महीने पहले राम मंदिर का उद्?घाटन करने के बावजूद '400 पार' के बजाय केवल 240 लोकसभा सीटें ही जीत सकी। सबसे बुरी बात यह रही कि भाजपा और सहयोगी दल यूपी में 80 में से सिर्फ 36 सीटें ही जीत सके, जबकि शेष 43 सीटें इंडिया गठबंधन और एक आजाद समाज पार्टी के खाते में गईं। इसलिए भागवत ने भाजपा को 'सबका साथ सबका विकास' पर ध्यान केंद्रित करने का एक रास्ता दे दिया, जिसने 2014 और 2019 में भाजपा को अप्रत्याशित लाभ दिलाया था। भागवत का बयान भाजपा के उन सहयोगियों को भी संदेश देगा जो इनमें से कुछ मुद्दों से असहज हैं। आरएसएस से जुड़े साप्ताहिक पत्र ऑर्गनाइजर ने यह कहकर एक नया आयाम दिया कि भागवत ने अपने भाषण में भारत को विश्वगुरु बनाने का लक्ष्य सामने रखा था।

सहयोगियों की बात सुन रहे हैं मोदी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के सहयोगियों को खुश रखने के लिए जाने जाते हैं और उन्हें कभी भी एनडीए में जूनियर पार्टनर होने का एहसास नहीं होने देते। वे सहयोगी दलों के साथ होने वाले रोजमर्रा के मुद्दों को नहीं संभालते और उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के हवाले कर देते हैं। कई बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी इन मुद्दों को संभालने के लिए लगाया जाता है।

हाल के दिनों में, वे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से लगातार मिल रहे हैं, हालांकि अभी तक कुछ भी खुलकर सामने नहीं आया है। खबरों की मानें तो मोदी एनडीए के ज्यादातर नेताओं से एक-एक करके व्यक्तिगत रूप से मिल रहे हैं और उनकी बातें सुन रहे हैं। हाल के दिनों में सरकार द्वारा की गई कुछ प्रमुख नियुक्तियों को कुछ सहयोगी दलों की सिफारिशों के आधार पर भी माना जा रहा है।

उदाहरण के लिए, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश वी रामसुब्रमण्यम को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वे सबसे पहले 2006 में मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने और फिर सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे। हालांकि इस पद के लिए भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का नाम चर्चा में था, लेकिन वी रामसुब्रमण्यम का नाम सामने आया।

कहा जाता है कि उनकी नियुक्ति में एनडीए के एक सहयोगी का भी हाथ था। मोदी आंध्र के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की भी बात सुन रहे हैं। हाल ही में उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बहुत गर्मजोशी से मुलाकात की। खबरों की मानें तो शिंदे और उनके बेटे तथा बहू के साथ यह मुलाकात करीब एक घंटे तक चली। मोदी ने साफ कर दिया है कि वे चाहते हैं कि एनडीए का दायरा उन राज्यों में भी बढ़े, जहां भाजपा मजबूत नहीं है। उदाहरण के लिए, तमिलनाडु इकाई ने संदेश दिया है कि एआईएडीएमके और अन्य के साथ तालमेल की संभावना तलाशी जानी चाहिए। इसी प्रकार, पार्टी उन राज्यों में अपनी कमजोरियों को दूर करना चाहती है जहां वह मजबूत है और उसने भाजपा नेताओं से दृढ़तापूर्वक कहा है कि वे अपनी ताकत का प्रदर्शन न करें।

अमित शाह पर बसपा का कटाक्ष क्यों? : यह वास्तव में चौंकाने वाली बात थी जब बहुजन समाज पार्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर शाब्दिक हमला किया और उसके कार्यकर्ता डॉ। भीमराव आंबेडकर पर उनके बयान के विरोध में सड़कों पर उतर आए। यह पहली बार था जब सरकार के सबसे शक्तिशाली मंत्री पर बसपा हमला करती दिखी। बसपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने के बाद उसे छोड़ दिया और अकेले आगे बढ़ने का फैसला किया। लेकिन जून 2024 के लोकसभा चुनावों में इसका सफाया हो गया। बसपा को सबसे ज्यादा चिंता इस बात की थी कि लोकसभा चुनावों में चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी की जीत हो जाएगी। जनवरी 2013 में जब से ईडी मायावती के भाई आनंद कुमार के खिलाफ जांच कर रही है, तब से बसपा भाजपा के लिए सहायक की भूमिका निभा रही है। हालांकि यह मामला कांग्रेस के शासनकाल में दर्ज किया गया था, लेकिन भाजपा इसका फायदा उठा रही है।

बढ़ते तनावों से कैसे बच पाएगी दुनिया?

रहीस सिंह

दुनिया ने कई तरह के विभाजनों, संघर्षों और तनावों से गुजरते हुए 2025 में प्रवेश किया है। ये विभाजन और संघर्ष सामान्य नहीं दिख रहे क्योंकि कहीं विचारधाराओं के रूप में हैं तो कहीं क्षेत्रीय हैं और कहीं सभ्यतागत, जो निरंतर तनावों और संघर्षों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन्हें आप यूरेशिया में रूस और यूक्रेन युद्ध के रूप में देख सकते हैं जबकि मध्य-पूर्व में इजराइल-हमास से लेकर इजराइल-हिजबुल्ला और अंततः इजराइल-ईरान तनाव और टकराव के रूप में। इन टकरावों को सामान्यतया लघु स्तर के युद्धों के रूप में स्वीकार किया जा सकता है लेकिन इनके प्रभाव विस्तृत हैं। ये धीरे-धीरे दुनिया को बड़े युद्ध की ओर ले जाते हुए प्रतीत हो रहे हैं। यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि मध्य-पूर्व एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है और रूस-यूक्रेन युद्ध 'रेड लाइन' को पार कर 'न्यू वॉर जोन' में पहुंचते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे दक्षिण एशिया भी अछूता नहीं है जहां एक तरफ कूटनीतिक संघर्ष की स्थिति है तो दूसरी तरफ आंतरिक संघर्ष जो दक्षिण एशिया को आर्थिक और कूटनीतिक क्षति पहुंचा रहे हैं। एशिया-प्रशांत भी युद्ध की आशंकाओं की चपेट में है जहां दो बड़ी शक्तियां आमने-सामने आ सकती हैं। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि वर्ष 2025 दुनिया को किस दिशा में ले जाएगा? मध्य-पूर्व पूरे इतिहास में सबसे अधिक संक्रमणशील क्षेत्र रहा है क्योंकि इस क्षेत्र में ऐतिहासिक शक्तियां निरंतर अपनी चालों के जरिये नये-नये खेल खेलती रही हैं जो अब तक थमे नहीं हैं। वर्ष 2024 ने भी ऐसे कई खेल देखे और जाते-जाते सीरिया में असद शासन को समाप्त होते भी देख लिया। डेमस्कस में अब विपक्षी मिलिशिया तहरीर अल-शाम काबिज है और राष्ट्रपति बशर अल-असद मॉस्को की शरण में हैं, जहां सूत्रों के अनुसार जहर देने की कोशिश भी हुई है। लेकिन तहरीर अल-शाम का शासन पूरे सीरिया पर नहीं है बल्कि सीरिया विद्रोहियों के लिए टुकड़ों में विभाजित नजर आ रहा है जिसमें से अधिकांश भाग पर अभी भी सीरियाई शासन का नियंत्रण है। जो विद्रोही गुट सीरिया पर नियंत्रण स्थापित करने में कामयाब हुए हैं, उनमें एकता नजर नहीं आ रही है। जाहिर है कि अभी टकराव का दौर चलेगा। तो क्या यह कहना उचित होगा कि सीरिया की समस्या का अंत नहीं हुआ बल्कि नई शुरुआत हुई है? दक्षिण एशिया भी बढ़ते विभाजनों और टकरावों से पूरी तरह से अछूता नहीं रहा। आंतरिक संघर्षों की झलक तो मालदीव, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल आदि सभी में दिख रही है लेकिन बांग्लादेश में जो हुआ वह सामान्य आंतरिक संघर्ष की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। सही अर्थों में तो यह तख्तापलट है जिसमें मोहरा तो बांग्लादेशी छात्र रहे लेकिन असल गेम जमात-ए-इस्लामी जैसी कट्टरपंथी ताकतों और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने खेला। ऐसा इसलिए कहा जा सकता है कि यदि प्रोटेस्ट केवल छात्रों का ही होता तो परिणाम प्रधानमंत्री शेख हसीना को पदच्युत करने तक ही सीमित होता लेकिन प्रोटेस्टर्स द्वारा बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमाएं तोड़ना, वहां के अल्पसंख्यकों को निशाना बनाना और अब शेख मुजीबुर्रहमान को फादर ऑफ नेशन के रूप में पाठ्य पुस्तकों से हटाने का षडयंत्र कुछ और संकेत करता है। तात्पर्य यह हुआ कि बांग्लादेश सरकार और प्रोटेस्टर्स के बीच 'चेक एंड मेट' में बांग्लादेश ही हार गया। बहरहाल ये स्थितियां यह इशारा तो कदापि नहीं करतीं कि 2025 को उत्तराधिकार में शांति, सम्पन्नता और विकास मिला है। मिला है तो संघर्षों का अनवरत चलने वाला एक सिलसिला, जिसका अंतिम छोर फिलहाल नजर नहीं आ रहा।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रुपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

भाजपा के पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा और चेहरा नहीं

नईदिल्ली। सीएम आतिशी ने गुरुवार को गोविंदपुरी इलाके में आप चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस गाली-गलौज पार्टी के पास दिल्ली के लिए कोई एजेंडा, नैरेटिव या सीएम चेहरा नहीं है। इनका एक ही काम है- अरविंद केजरीवाल को गालियां देना। मुझे लगता है कि दिल्ली के लोगों के लिए निर्णय लेना बहुत आसान होगा। इससे पहले उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि कड़कड़ाती हुई ठंड में, भाजपा की केंद्र सरकार ने, नरेला में झुग्गियाँ तोड़ दीं। महिलाएँ और बच्चे सड़क पर आ गए हैं। भाजपा वाले झुग्गीवासियों से इतनी नफ़रत क्यों करते हैं? आतिशी ने कहा कि थोड़ी देर में नरेला जा रही हूँ। इन झुग्गीवासियों से मिलूँगी। इनकी हर संभव मदद करेंगे। इससे पहले आतिशी ने मुख्यनिर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार को पत्र लिखकर नयी दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर पर चर्चा के लिए मिलने का समय मांगा है।

चुनाव से पहले केजरीवाल ने चला जाट आरक्षण का दांव

नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दिल्ली के जाट समुदाय को केंद्रीय ओबीसी सूची में शामिल करने का आग्रह किया है। इसके बाद एक प्रेस वार्ता में केजरीवाल ने कहा कि जाट समुदाय के अलावा 5 जातियां भी राज्य की ओबीसी सूची में हैं लेकिन केंद्र की ओबीसी सूची में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इन 5 जातियों को भी केंद्र की ओबीसी सूची में शामिल किया जाना चाहिए ताकि इन 5 जातियों के युवाओं को केंद्र सरकार के संस्थानों में शिक्षा और रोजगार में समान अवसर मिल सकें। केजरीवाल ने ऐलान करते हुए कहा कि मैं जाट समुदाय के लिए लड़ूंगा और उन्हें केंद्र से आरक्षण दिलाऊंगा और जो भी जरूरी होगा वो करूंगा। इससे पहले उन्होंने मोदी को लिखे पत्र में कहा था कि मैं यह पत्र आपको 10 साल पहले एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर किए गए वादे की याद दिलाने के लिए लिख रहा हूं।

यूपी भाजपा अध्यक्ष के चुनाव को लेकर गरमाई सियासत

लखनऊ। भाजपा संगठन के चुनाव की सरगर्मी के बीच पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाए गए विनोद तावड़े बुधवार को राजधानी पहुंचे। हालांकि, एक मीडिया हाउस के कार्यक्रम में उनके यहां आने की बात कही जा रही है, लेकिन पूरे दिन भाजपा नेताओं की उनसे हुई मुलाकात से सियासी माहौल गरम हो गया है। तावड़े ने सीएम योगी आदित्यनाथ और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से उनके आवास पर अलग-अलग मुलाकात की। सूत्रों की मानें तो तावड़े ने नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम को लेकर वरिष्ठ नेताओं से चर्चा की है। तावड़े की सीएम से करीब एक घंटे तक मुलाकात हुई। वहीं, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भाजपा के प्रदेश कार्यालय में उनसे मुलाकात की। तावड़े की प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल से भी अलग मुलाकात हुई है। तावड़े इन नेताओं का फीडबैक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के सामने रखेंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यपाल से मिलने पहुंचे

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार की सुबह-सुबह राज्यपाल से मुलाकात करने पहुंचे हैं। सीएम नीतीश कुमार का काफिला राजभवन पहुंचा है। मुख्यमंत्री और राज्यपाल की मुलाकात की वजह अभी सामने नहीं आयी है। हालांकि इसे औपचारिक मुलाकात बताया जा रहा है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से बिहार की सियासत को लेकर जो सियासी कानाफूसी चल रही है उस बीच में इस मुलाकात से राजनीति गलियारे का तापमान भी बढ़ा हुआ है। सीएम नीतीश कुमार राजभवन क्यों गए हैं। इसे लेकर जदयू की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन चर्चा है कि बिहार में कैबिनेट विस्तार होने जा रहा है और इसी सिलसिले में मुख्यमंत्री की मुलाकात राज्यपाल से हो सकती है। इधर, सीएम की इस मुलाकात ने पटना समेत बिहार के सियासी पारे को चढ़ा दिया है। इसकी बड़ी वजह पिछले कुछ दिनों से लगाए जा रही अटकलें हैं। जिसे खुद नीतीश कुमार ने भी खारिज किया है।

दिग्विजय सिंह अब मुझ पर निशाना साध रहे : सिंधिया

भोपाल। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया पर अक्सर निशाना साधते थे और अब वह उनके साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।चार दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है। सिंधिया कभी कांग्रेस में सिंह के सहयोगी थे। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सिंह ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में एक घोटाले का खुलासा होने के बाद सिंधिया पर सवाल उठाए थे। पिछले महीने की शुरुआत में परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के पास से बेहिसाब संपत्ति बरामद की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर सिंधिया ने संवाददाताओं से कहा, क्या यह कोई नयी बात है? उन्होंने कहा, ''दिग्विजय सिंह ने अपना पूरा जीवन मेरे पूज्य पिता और मुझ पर निशाना साधने में बिताया है।

18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का मोदी ने किया उद्घाटन

भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यहां पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारे व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे बहुत खुशी होती है, जब पूरी दुनिया में आप सभी साथियों से मिलता हूं, आपसे बातचीत करता हूं। जो प्यार मुझे मिलता है, वो भूल नहीं सकता हूं। आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं, हमारा जीवन ही विविधता प्रदान करता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इस सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता

है। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता आज दुनिया देख रही है। आज जब भारत का चंद्रयान शिव शक्ति प्वाइंट पर पहुंचता है, तो हम सब को गर्व होता है। आज जब दुनिया, डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत, अपना पॉइंट तो मजबूती से कायम है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है।

प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से ट्रेन ने सफर शुरू किया। यह ट्रेन प्रवासी भारतीयों को तीन सप्ताह तक देशभर के कई पर्यटक और धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी।

इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि हर 2 साल में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के माध्यम से विदेशों में रहने वाले भारतीय अपने देश में हो रही प्रगति और विकास को देख पाते हैं, अनुभव कर पाते हैं। आप सभी न केवल अपने जीवन की उपलब्धियों पर गर्व कर करते हैं, बल्कि विदेशों में हमारे लिए बढ़ते सम्मान का भी अनुभव करते हैं। वैश्विक युग में प्रवासी समुदाय का महत्व प्रत्येक वर्ष के साथ बढ़ता गया है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि इस बार प्रवासी भारतीय दिवस की थीम विकसित भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान है। आज मैं ओडिशा की धरती से सभी का अभिवादन करता हूं।

इंडिया गठबंधन में तकरार पर खुलकर बोले उमर अब्दुल्ला

...तो बंद कर दो विपक्षी गठबंधन इंडिया

श्रीनगर। उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में आप-कांग्रेस के बीच जारी घमासान पर जमकर निशाना साधा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दिल्ली में क्या चल रहा है, इसके बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता क्योंकि दिल्ली चुनाव से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जहाँ तक मुझे याद है, इंडिया गठबंधन की कोई समय सीमा नहीं थी। दुर्भाग्य से, इंडिया गठबंधन की कोई बैठक आयोजित नहीं की जा रही है, इसलिए नेतृत्व, एजेंडा या हमारे अस्तित्व के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। यदि यह सिर्फ संसद चुनाव के लिए था तो उन्हें गठबंधन खत्म कर देना चाहिए।

वहीं, दूसरी ओर एनसी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जहां तक गठबंधन की बात है तो गठबंधन हर चीज में होता है, चुनाव लड़ने तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि गठबंधन देश को मजबूत करने और हमारे देश से इस नफरत को दूर करने के लिए मौजूद है। जो लोग यह सोचते हैं कि यह सिर्फ संसदीय चुनाव के लिए था, उन्हें इस गलतफहमी से बाहर आना चाहिए।

लोकसभा चुनाव तक के लिए ही था गठबंधन : तेजस्वी यादव

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने कहा कि इंडिया ब्लॉक ने अपना महत्व खो दिया है और इसका गठन विशेष रूप से लोकसभा चुनावों के लिए किया गया था। बिहार के बक्सर में पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए और भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए किया गया था। अब इसका कोई महत्व नहीं है। यही कारण है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव से

पहले कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच कलह अप्रत्याशित नहीं है।

गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच दरार तब आ रही है जब पहले आप ने गठबंधन में शामिल अन्य पार्टियों से कांग्रेस को हटाने का आग्रह किया था। जैसे ही पार्टियां दिल्ली चुनाव के लिए तैयार हो रही थी, 26 दिसंबर को आप ने कहा कि अगर कांग्रेस अपने दिल्ली नेता अजय माकन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करती है तो वह इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों से कांग्रेस को हटाने के लिए कहेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज कांग्रेस पर फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया।

आप और कांग्रेस के दिल्ली में गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ने के कुछ महीनों बाद यह बड़ा आमना-सामना हुआ है। आम चुनाव के दौरान दोनों पार्टियों के नेताओं ने एक-दूसरे के उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया था। रिपोर्टों से यह भी पता चला है कि बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस नेता ममता बनर्जी ने भारतीय नेतृत्व पर संदेह जताया था और कार्यभार संभालने की इच्छा व्यक्त की थी। रिपोर्टों के अनुसार, राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने भी इसे दोहराया और कहा कि इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने के लिए कांग्रेस की तुलना में ममता बेहतर विकल्प हैं।

साथ मिलकर लड़ते तो इंडिया गठबंधन की जीत पक्की होती: पृथ्वीराज चव्हाण

दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर की गई टिप्पणी पर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण को सफाई देनी पड़ी है। दरअसल, उन्होंने कहा था कि दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने अच्छा काम किया है। चुनावों में उनकी जीत हो होनी चाहिए।

अब उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव पर मेरी टिप्पणी को गलत संदर्भ में लिया गया। अगर विपक्षी गठबंधन इंडिया साथ मिलकर लड़ता तो गठबंधन की जीत पक्की होती। अब जब सभी प्रमुख पार्टियां मैदान में हैं तो यह खुला चुनाव हो गया है। कांग्रेस पार्टी ने जबरदस्त गति पकड़ी है और मुझे पूरा विश्वास है कि हम विजयी होंगे।

इंडिया ब्लॉक में ना कोई मिशन और ना विजन स्वार्थ का गठबंधनः भाजपा

नईदिल्ली। दिल्ली में चुनावी दंगल के बीच विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में तकरार साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। जहां दिल्ली में आप और कांग्रेस आमने-सामने हैं। वहीं, गठबंधन में शामिल अन्य दलों की ओर से आने वाले बयान इसकी स्थिति को कमजोर बना रहे हैं। दूसरी ओर इंडिया गठबंधन में दरार का भाजपा मजे ले रही है। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर सरकार बनाई है और झूठ फैलाने और अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए कई बार टीम बनाई है। उन्होंने कहा कि टीएमसी और समाजवादी पार्टी का दिल्ली से कोई लेना-देना नहीं है, वे अरविंद केजरीवाल की तरह ही लोगों को लूटते हैं और झूठ बोलते हैं। बीजेपी सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि यह कोई इंडिया गठबंधन नहीं था, यह एक ठगबंधन था, जिसे स्वार्थी विचारधारा वाले राजनीतिक दलों ने जनता के वोटों को ठगने के लिए बनाया था। उन्होंने हमला जारी रखते हुए कहा कि वे चुनाव में अपनी हार बर्दाश्त नहीं कर सके। बीजेपी ने पहले ही कहा था कि वे पहले मिलेंगे और एक होंगे, फिर आपस में लड़ेंगे और हारने के बाद बिखर जायेंगे। वे जनता के अविश्वास का पात्र बन गये हैं। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि सबसे पहले समाजवादी पार्टी ने राहुल गांधी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया और आम आदमी पार्टी को समर्थन दिया। इसके बाद टीएमसी ने भी यही किया। कल तेजस्वी यादव ने कहा था कि इंडिया गठबंधन सिर्फ लोकसभा के लिए था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव काफी पहले ही पास हो चुका है। संसद सत्र में आपको समाजवादी पार्टी, टीएमसी, शरद पवार (एनसीपी) याद होंगे एससीपी) और उमर अब्दुल्ला (एनसी) ने अलग-अलग मुद्दों पर खुद को कांग्रेस से दूर रखा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन के पास कोई मिशन और विजन नहीं है, उनकी केवल अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं। कांग्रेस एक परजीवी पार्टी है।

खेल
प्रमुख समाचार

श्रीलंका दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम का एलान

सिडनी। इस महीने के आखिर में शुरू हो रहे श्रीलंका दौरे के लिए गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान हो चुका है। ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसके दोनों मुकाबले गॉल स्टेडियम में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने श्रीलंकाई परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तीन विशेषज्ञ स्पिनर को टीम में शामिल किया है। वहीं, नियमित टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को आराम दिया गया है। स्टीव स्मिथ इस टीम की कमान संभालेंगे। वह 22 महीने बाद टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम की कप्तानी करेंगे। पिछली बार उन्होंने टेस्ट में मार्च 2023 में ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी की थी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम का एलान करते हुए कुछ बड़े फैसले लिए। नाथन मैकस्वीनी को खराब फॉर्म की वजह से भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद ड्रॉप किया गया था। हालांकि, ड्रॉप होने के तीन हफ्ते के अंदर उन्हें फिर से टीम में बुलाया गया है। कई नए चेहरों को भी मौका दिया गया है। यह सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए तैयारी मात्र के लिए है, क्योंकि कंगारू टीम ने भारत के खिलाफ 3-1 से सीरीज जीतकर पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 11 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलेगी। स्मिथ को इसलिए कप्तान बनाया गया है क्योंकि कमिंस फिलहाल अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए छुट्टी पर हैं। 21 साल के कूपर कोनोली को भी मौका दिया गया है। 16 सदस्यीय टीम में सात विशेषज्ञ और पार्ट टाइम स्पिन गेंदबाज हैं।

दो टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम: स्टीव स्मिथ (कप्तान), शॉन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कॉन्स्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 528 लुढ़का निफ्टी 23,527 पर बंद

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार (9 जनवरी) को लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में गिरकर बंद हुए। कंपनियों के तीसरे तिमाही के नतीजों में संभावित नरमी और अमेरिकी ब्याज दरों में कम बार कटौती को लेकर निवेशकों में डर की वजह से बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स गुरुवार को करीब 140 अंक की गिरावट लेकर 78,206 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 607 अंक तक गिर गया था। अंत में सेंसेक्स 528 या 0.68% की गिरावट लेकर 77,620.21 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 86.8 अंक फिसलकर 23,602.15 अंक पर खुला। अंत में यह 162.45 अंक या 0.69% की गिरावट लेकर 23,526.50 पर क्लोज हुआ। सेंसेक्स में लिस्टेड 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, जोमैटो, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में सबसे अधिक गिरावट आई।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश 2024 में चार गुना बढ़ा

नईदिल्ली। घरेलू स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में बीते वर्ष यानी 2024 के दौरान निवेश चार गुना बढ़ा। गोल्ड ईटीएफ को लेकर भारत में निवेशकों के उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस साल अप्रैल को छोड़कर बाकी 11 महीनों के दौरान गोल्ड ईटीएफ में इनफ्लो दर्ज किया गया। 2024 का अंत भी पॉजिटिव नोट पर हुआ और सोने की कीमतों में नरमी के बीच गोल्ड ईटीएफ में लगातार 9वें महीने दिसंबर में निवेश चढ़ा। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के अनुसार देश के कुल 18 गोल्ड ईटीएफ में दिसंबर 2024 के दौरान 640.16 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ जो पिछले साल की समान अवधि यानी दिसंबर 2023 के मुकाबले 625 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल की समान अवधि के दौरान देश के कुल 15 गोल्ड ईटीएफ में महज 88.31 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश हुआ था।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर मिलेगा भारी भरकम डिस्काउंट

नईदिल्ली। रिपब्लिक डे (26 जनवरी) से कुछ हफ्ते पहले, भारत के लोकप्रिय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स अमेजन और फ्लिपकार्ट ने अपनी आगामी सेल की तारीखों का खुलासा कर दिया है। अमेजन की ग्रेट रिपब्लिक डे सेल 13 जनवरी को दोपहर से नॉन-प्राइम यूजर्स के लिए शुरू होगी। वहीं, प्राइम मेंबर्स को इस सेल का एक्सक्लूसिव फायदा 12 घंटे पहले, यानी 13 जनवरी की आधी रात से मिलेगा। फ्लिपकार्ट की मॉन्युमेंटल सेल 14 जनवरी से शुरू होगी, लेकिन फ्लिपकार्ट प्लस मेंबर्स इस सेल का फायदा एक दिन पहले, यानी 13 जनवरी से ही उठा सकेंगे। दोनों प्लेटफॉर्म्स ने अभी तक पूरी डील्स का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि स्मार्टफोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन प्रोडक्ट्स पर भारी डिस्काउंट मिलेगा। अगर आप नए साल की खरीदारी की योजना बना रहे हैं, तो यह सेल आपके लिए खास हो सकती है।

खुल गए 2 नए इक्विटी फंड्स का सबक्रिप्शन

नईदिल्ली। म्यूचुअल फंड की नई स्कीम्स में पैसा लगाने का विकल्प तलाश रहे निवेशकों के लिए अच्छी खबर है। एसेट मैनेजमेंट कंपनी आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और मिराए एसेट एमएफ की नई इक्विटी स्कीम्स का सब्सक्रिप्शन खुल गया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ ने इक्विटी कैटेगरी में थिमैटिक फंड और मिराए एसेट एमएफ ने स्मालकैप फंड लॉन्च किया है। दोनों स्कीम्स 9 जनवरी से 23 जनवरी 2023 तक खुली रहेंगी। इन स्कीम्स में रूरल और स्मॉलकैप जैसे खास थीम्स में निवेश का मौका मिल रहा है। साल 2025 की शुरुआत में इक्विटी म्यूचुअल फंड में नई स्कीम्स के लॉन्च होने का सिलसिला जारी है। जनवरी में अब तक छह नए फंड सब्सक्रिप्शन के लिए खुल चुके हैं।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

प्रह्लाद सबनानी

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर एम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाढ्यों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 है एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में

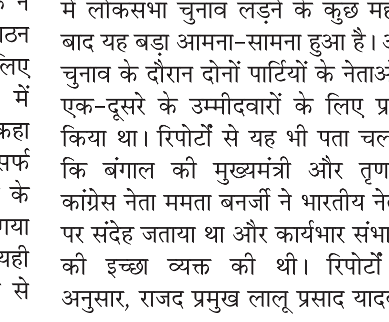

123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं। भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है।

सामाजिक समरसता का अपमान कर रही कांग्रेस : डॉ. गुरुप्रकाश पासवान

हमारा संविधान सत्य का दस्तावेज है: किरण देव

रायपुर। संविधान गौरव दिवस अभियान को लेकर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव ने कहा इस देश में कांग्रेस ने इन 77 वर्षों में अपने हितों को लेकर संविधान का संशोधन किया है अब जब समाज में संविधान के मुताबिक हम विकास योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सफल हो रहे हैं तो कांग्रेस को पीड़ा हो रही है। उन्होंने कहा कि भारतरत्न बाबा साहब अम्बेडकर ने देश के लिए अपना सर्वत्र निछावर कर दिया ऐसे देव तुल्य बाबा साहब को कांग्रेस ने हमेशा अपमानित करने का काम किया है। हम सब समाज के बीच कांग्रेस के फैलाए झूठे भ्रम को दूर करने संविधान गौरव दिवस के माध्यम से पहुंचेंगे।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व अभियान के प्रदेश प्रभारी डॉ. गुरुप्रकाश पासवान कहा कि कांग्रेस ने अपने लाभ के लिए संविधान को लेकर समाज में भ्रम फैलाने का कुत्सित कार्य किया है वह अक्षम्य है। संविधान हम सब के आस्था का पवित्र ग्रंथ है। जिसे लेकर कांग्रेस ने एक भ्रम फैलाकर बाबा साहब के अपमान के साथ-साथ ही संविधान का भी अपमान किया है। हमने जो कार्य बाबा साहब के पुर्नप्रतिष्ठा के लिए किया है उसे सब तक ले जाने की जरूरत है। पंच तीर्थ, अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर के साथ ही बाबा साहब के सम्मान में दिये गये भारतरत्न से लेकर भीम एप्प के बारे में विस्तार से चर्चा करने की जरूरत है। युवा पीड़ी को उनके साहित्य से भी जोड़ना होगा। कांग्रेस भ्रामक जानकारी दे रही है लेकिन हमें सत्य से समाज को अवगत कराना होगा। उन्होंने कहा कि हमने जो संकल्प बाबा साहब को लेकर किया था उसे लगातार पूर्ण करने में जुटे हैं।

कमेटी हुई गठित

अभियान को सफल बनाने संभागवार कमेटी का गठन किया गया है जिसके प्रभारी चंदेल को बिलासपुर संभाग, विधायक गुरु खुशवंत साहेब को दुर्ग संभाग, विधायक नीलकंठ टेकाम को बस्तर संभाग, डॉ. नवीन मारकंडे को सरगुजा संभाग व डॉ. किरण बघेल को रायपुर संभाग का कार्यक्रम संयोजक बनाया गया है।

कांग्रेस को केवल झूठ पसंद है : चंदेल

संविधान गौरव दिवस अभियान के प्रदेश संयोजक नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस को तो हमेशा झूठ पसंद है और संविधान को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाकर केवल जन आस्था के साथ मजाक कर रही है। संविधान हमारे लिए ग्रंथ है जिसके माध्यम से हम सब सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए हम सबको मंडल स्तर तक जाना होगा। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय का अभियान की सफलता को लेकर आवश्यक व संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. नवीन मारकंडे ने किया व आभार पूर्व विधायक निर्मल सिन्हा ने माना। इस मौके पर पूर्व सांसद कमला पाटले, पूर्व मंत्री व विधायक पुन्नूलाल मोहले प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा, संजय श्रीवास्तव सहित जिलाध्यक्ष व पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

मुंगेली में निर्माणाधीन प्लांट की चिमनी गिरी, 1 की मौत

मुंगेली/रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के निर्माणाधीन कुसुम प्लांट में बड़ा हादसा हुआ है। यहां चिमनी गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूर की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसे बिलासपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक का नाम मनोज कुमार धृतलहरे है। वहीं गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का इलाज चल रहा है। छह से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की बात सामने आ रही है। प्रशासन के अनुसार मलबे में कुल छह लोग दबे थे, जिसमें दो लोग गंभीर घायलों को इलाज के लिये बिलासपुर भेजा गया था, जिसमें से एक की मौत हो गई, वहीं एक का इलाज चल रहा है। चार लोग अभी भी मलबे में दबे हुए हैं। मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिये रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। बचाव कार्य तेजी से किया जा रहा है। यह घटना सरगांव थाना इलाके के रामबोड क्षेत्र की है।

घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। आस-पास के जिलों से भी प्रशासन की टीम पहुंच रही है। राहत और बचाव कार्य जारी है। बताया जाता है कि प्लांट में लोहे की पाइप बनाई जा रही थी तभी ये हादसा हो गया। फिलहाल बचाव कार्य जारी है। सूचना पर स्थानीय ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे हुए हैं। सभी बचाव कार्य में लगे हैं। मलबे को हटाने का काम जारी है। आस-पास के जिलों बिलासपुर, पेंड्रा, रायगढ़ और जांजगीर चांपा से आपदा एवं प्रबंधन टीम को बुलाई गई है।

डबल इंजन की सरकार में विकासकार्यों के लिए पैसों की कमी नहीं : सोनी

विधायक सुनील सोनी ने किया विकासकार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

रायपुर। रायपुर दक्षिण के विधायक और रायपुर के पूर्व सांसद सुनील सोनी ने महामाया मंदिर वार्ड में 70 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया जिसमें बड़ा नाला (राशि 50 लाख), विभिन्न स्थानों में नाली, पुलिया निर्माण इत्यादि कार्य (राशि 10 लाख), मठपारा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य (राशि ?10 लाख) शामिल है साथ ही उन्होंने मठपारा में हमर अस्पताल का लोकार्पण भी किया।

इस दौरान विधायक सोनी ने क्षेत्रवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भाजपा के डबल इंजन की सरकार में विकासकार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं है क्योंकि भाजपा की नियत साफ़ है, भाजपा जनता का विकास चाहती है, देश की प्रगति चाहती है। कांग्रेस की सरकार में जहां पिछले 5 साल प्रदेश में पार्षदों को क्षेत्र में विकास कार्य करवाने के लिए पैसों की परेशानी होती थी वहीं माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में स्थितियां बदल चुकी है, भाजपा की प्रदेश सरकार ने सिर्फ 1 वर्ष में ही नपा, नपं और ननि के लिए लगभग 7 हजार करोड़ रूपये की सौगात दी है।

रायपुर दक्षिण के पूर्व विधायक और वर्तमान में रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल जी ने क्षेत्र को करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी है, विधायक बनने के बाद हमने क्षेत्र में करोड़ों के भूमिपूजन और लोकार्पण के कार्य किए हैं और यह सिलसिला लगातार जारी है, आने वाले समय में और भी बहुत सारे विकास कार्य होंगे।

जिस प्रकार आपने भाजपा पर विश्वास कर केंद्र में भाजपा की सरकार बनाई, प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाई, क्षेत्र में विधायक और सांसद भाजपा के चुने हैं और परिणाम स्वरुप लगातार क्षेत्र की उन्नति, प्रदेश की उन्नति देश की उन्नति दिखाई दे रही है उसी प्रकार अपने वार्डों में भी तेज विकास के लिए आगामी चुनाव में कमल निशान को अपना आशीर्वाद देकर भाजपा के प्रत्याशी को विजयी बनाएं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता विजय अग्रवाल, वरिष्ठ पार्षद मृत्युंजय दुबे, उपनेता प्रतिपक्ष मनोज वर्मा, वार्ड पार्षद सरिता वर्मा, पार्षद सरिता दुबे, पूर्व मंडल अध्यक्ष सालिग ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अभिषेक तिवारी उपस्थित थे।

स्वशासी समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

बिलासपुर। संभागायुक्त डॉ. महादेव कावरे की अध्यक्षता में आज यहां कमिश्नर कार्यालय में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) की स्वशासी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सिम्स अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने संबंधी अनेक प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति, डिप्टी कमिश्नर डॉ. स्मृति तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रमोद तिवारी, सिम्स के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, चिकित्सा अधीक्षक सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय डॉ. बी.पी. सिंह, रेडियोलॉजी विभाग की प्राध्यापक डॉ. अर्चना सिंह, प्राध्यापक पीसीएम डॉ. हेमलता ठाकुर, विभागाध्यक्ष दंत रोग डॉ. बी.पी. कश्यप, डॉ. मनोज गुप्ता सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

बैठक में संस्थान की शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय व्यवस्थागत मुद्दों पर चर्चा कर सुविधाएं विकसित करने के लिए अनेक प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार संस्थान में रेडियोलॉजिस्ट की अनुपलब्धता को ध्यान में रखते हुए रेडियोडायग्नोसिस विभाग को रायपुर चिकित्सा महाविद्यालय से टेलीरेडियोलॉजी के माध्यम से रिपोर्टिंग कार्य प्रारंभ करने, सुपर स्पेशलिटी सिम्स कोनी में कार्यालयीन उपकरण, फर्नीचर और स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के स्मार्ट क्लास के लिए 14.92 लाख रूपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं सिम्स अस्पताल की विभिन्न शाखाओं हेतु कार्यालयीन फर्नीचर और उपकरण, भर्ती मरीज जो इलाज के दौरान आयुष्मान पंजीयन कराने काउंटर में पहुँचने में असक्षम हो उन तक आयुष्मान मित्र स्वयं पहुंचकर मरीज का पंजीयन कर सके इसके लिए लैपटॉप क्रय करने कुल प्रस्तावित राशि 23.85 लाख रूपए की वित्तीय स्वीकृति का अनुमोदन किया गया।

केटीयू एवं जनसंचार विवि में संवाद 2025 कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर में आज संवाद 2025 कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में माननीय कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा, मीडिया समाज का आईना है, जो केवल समस्याओं को दिखाता ही नहीं, बल्कि उनका समाधान ढूंढ़ने में भी अहम भूमिका निभाता है। संवाद एक ऐसा माध्यम है, जो समाज को दिशा देने के साथ उसकी जटिलताओं को सरल बनाने में मदद करता है।

कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने आगे कहा कि लिखना-पढ़ना ही शिक्षा नहीं है, बल्कि जीवन के मर्म को समझना सच्ची शिक्षा है। संवाद के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान संभव है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि हमें सकारात्मक सोच और सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति से पढ़ाई का सार्थक माहौल बन रहा है। विद्यार्थी जीवन का अनुशासन के बिना कोई अर्थ नहीं है। विद्यार्थी जीवन का पहला पाठ ही अनुशासन है। अनुशासन ही किसी राष्ट्र को श्रेष्ठ और महान बनाता है। आजकल संवाद का न होना बहुत बड़ा संकट बन गया है। मीडिया का मूल तत्व ही संवाद है। भारत में संवाद की प्राचीन परंपरा रही है। मौन भी संवाद की भाषा मानी जाती है। पत्रकारिता में भाषा मूल तत्व है।

कुलपति जी ने कहा कि शिक्षा का सही अर्थ है जीवन के मर्म को समझना। हमें विद्यार्थी जीवन में सिर्फ डिग्रीधारी नहीं बनना है बल्कि विद्यावान बनाना है। वर्तमान समय में लोगों के जीवन में बोरियत सबसे बड़ा शत्रु बन गया है। इससे बचने के लिए किसी भी कार्य को पूरी लगन के साथ करना चाहिए। ज्ञान को धारण नहीं करने से वो बोझ के समान हो जाता है। एक अच्छे मीडियाकर्मी के नाते सही गलत के अंतर को समझने की दृष्टि पैदा करने की जरूरत है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

ओबीसी के आरक्षण को कम किया गया: दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा स्थानीय निकाय चुनाव में आरक्षण प्रावधानों किए गए दुर्भावना पूर्वक संशोधन के चलते अधिकांश जिला और जनपद पंचायतों में ओबीसी आरक्षण खत्म हो गया है। प्रदेश के 16 जिला पंचायत और 85 जनपदों में जहां पहले 25 प्रतिशत सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हुआ करती थी, अब अनुसूचित क्षेत्रों में ओबीसी आरक्षण लगभग खत्म हो गया है। पूर्व में ओबीसी के लिए आरक्षित ये सभी सीटें अब सामान्य घोषित हो चुकी है।

बस्तर और सरगुजा संभाग में आरक्षित वर्ग को बड़ा नुकसान है सरगुजा संभाग के पांच जिले अंबिकापुर, बलरामपुर, सूरजपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर सोनहत, बस्तर के 7 जिले बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, दंतेवाडा, नारायणपुर, सुकमा, बीजापुर सहित मानपुर मोहला, जशपुर, गैरोला पेंड्रा मरवाही, और कोरबा जिले में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए कुछ बचा ही नहीं है। इस सरकार के द्वारा स्थानीय निकाय (त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकाय) चुनाव में आरक्षण के प्रावधानों में जो षडयंत्र पूर्वक ओबीसी विरोधी परिवर्तन किया है।

सभी निर्माण कार्य सरकार के भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे: शुक्ला

रायपुर। मोवा ओवरब्रिज के नये डामर की पर्तो को एक दिन में ही उधड़ने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हयु प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि यह भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार का उदाहरण है। राजधानी के मोवा के ओवरब्रिज में 5 दिनों तक यातायात रोककर डामरीकरण किया गया था। आज फिर से डामर उखड़ना चालू हो गया है। यह भाजपा के भ्रष्टाचार का उदाहरण है। सूचना जारी किया गया था कि 5 दिन के लिये ओवरब्रीज को बंद किया जा रहा है। 5 दिन में कार्य पूरा हो जायेगा। 5 दिनों तक लाखो लोग घंटों जाम से परेशान रहे, जब काम पूरा हुआ तो पता चला वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। डामर, गिट्टी अलग-अलग हो गयी दुपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे थे। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि आज जब भ्रष्टाचार की पर्ते खुल रही है, डामर उखड़ रहा है, तब सरकार की तरफ से विज्ञप्ति जारी किया गया है, अभी काम पूरा नही हुआ है, जहां डामर उखड़ रहा है, वहां फिर से मरम्मत किया जायेगा। लेकिन सरकार की तरफ से यह नहीं कहा गया कि सड़क की गड़बड़ी की जांच करवाई जायेगी इसका मतलब ठेकेदार की गड़बड़ी को सरकार का संरक्षण है।

सीएमओ के ऑफिशियल हैंडल से राजनैतिक पोस्ट आपत्तिजनक

रायपुर। मुख्यमंत्री कार्यालय के ऑफिशियल ग् हैंडल से भाजपा के ऑफिशियल हैंडल की भांति उपयोग किये जाने पर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुये कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय गलत परंपरा की शुरूआत कर रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय का ऑफिशियल सोशल मीडिया एकाउंट शासन की योजनाओं, मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का माध्यम है, इस हैंडल का संचालन भी जनसंपर्क विभाग के द्वारा किया जाता है, जिसके संचालन में जनता के धन का उपयोग होता है। पूर्व में कांग्रेस सरकार के समय कभी मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया हैंडल ट्विटर, फेसबुक आदि का उपयोग राजनैतिक बयानबाजी के लिए नहीं किया जाता था। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन इतना पंगु हो चुका है कि भाजपा को राजनैतिक बयानबाजी के लिये सरकारी संसाधनों तथा सीएमओ का दुरूपयोग करना पड़ रही है। यह भाजपा के राजनैतिक दिवालियेपन को दर्शाता है कि पार्टी का अपना राजनैतिक प्रतिवाद का तंत्र समाप्त हो गया है। भाजपा का राजनैतिक संगठन पंगु हो चुका है, सरकारी बैसाखी का सहारा लेना पड़ रहा है।

आयुष्मान कार्ड का 1500 करोड़ से अधिक का भुगतान बकाया

रायपुर। स्वास्थ्य विभाग में घटिया, स्तरहीन दवा, इंजेक्शन और उपकरणों की खरीदी पर सवाल उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि पूरा स्वास्थ्य विभाग कमीशनखोरी के लालच में ठेके पर चल रहा है। सत्ता के संरक्षण में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन ने सरकारी अस्पतालों के लिए खून पतला करने वाला घटिया इंजेक्शन हेपेरिन गुजरात की कंपनी से कई गुना ज्यादा कीमत पर खरीदा है। सूचना है कि सप्लायर कंपनी अपने प्रदेश में जो इंजेक्शन 19 रुपए 30 पैसे के दर से सप्लाई करती है इसी इंजेक्शन को इसी दवा कंपनी से छत्तीसगढ़ के सरकारी दवा कॉर्पोरेशन ने 221 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर खरीदा है। उससे भी गंभीर बात यह है कि हार्ट के ऑपरेशन में काम आने वाला सरकारी सप्लाई का हेपरिन इंजेक्शन जांच में घटिया निकल रहा है इंजेक्शन के काम नहीं करने से डॉक्टर भी हैरान है लेकिन सरकार में बैठे लोग कमीशन पाकर आंख मूंदे बैठे हैं। इंजेक्शन और दवाओं के साथ ही उपकरणों की खरीदी में भी बड़ा गड़बड़ घोटाला है। सीटी स्कैनर खरीदी में सप्लायर कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने की नियत से जानबूझकर नियमों को अनदेखा किया गया।

दृष्टिबाधित बच्चों के लिए 'एनी डिवाइस'

रायपुर। दंतेवाड़ा जिला प्रशासन ने दृष्टिबाधित बच्चों के जीवन को सरल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक नया कदम उठाते हुए 'एनी डिवाइस' नामक विशेष उपकरण प्रदान किया है। यह डिवाइस बच्चों को ब्रेल लिपि को सीखने और पढ़ने में मददगार है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय 'सक्षम' के दृष्टिबाधित बच्चों को यह डिवाईस दिया गया है। 'एनी डिवाइस' एक स्मार्ट लर्निंग टूल है, जो बच्चों को ब्रेल अक्षरों को पहचानने और लिखने में मदद करता है। यह डिवाइस टच और ऑडियो फीचर्स से लैस है। बच्चे अपनी उंगलियों से डिवाइस पर ब्रेल अक्षरों को छूते हैं, और डिवाइस तुरंत ऑडियो में अक्षर का नाम और उसकी ध्वनि सुनाता है। इसमें इंटरएक्टिव गेम्स और क्विज भी शामिल हैं, जो बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को रोचक और प्रभावी बनाता है। दंतेवाड़ा जिले के 'सक्षम' विद्यालय में 16 दृष्टिबाधित बालिकाएं और 12 बालक पढ़ाई कर रहे हैं। इस नई डिवाइस के आने से न केवल उनकी पढ़ाई आसान हुई है, बल्कि आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। शिक्षक अमित यादव ने बताया कि ब्रेल लिपि पढ़ाने का अनुभव पहले भी था, लेकिन 'एनी डिवाइस' ने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य डिजिटल सुविधाओं का अनुभव दिया है। यह उपकरण बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ उन्हें गेम, गानों और अन्य गतिविधियों से भी जोड़ता है।

छत्तीसगढ़ की पहली योजना जिसमें तीन नगरीय निकायों को मिलेगा पेयजल

तीन शहरों में पहुंचेगा खुड़िया जलाशय का पानी : साव

रायपुर। मिशन अमृत 2.0 के तहत तीन शहरों लोरमी, मुंगेली और तखतपुर में पेयजल के लिए खुड़िया जलाशय का पानी पहुंचाया जाएगा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने इसके लिए 202 करोड़ 84 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। यह छत्तीसगढ़ की पहली ऐसी योजना होगी जिसमें एक साथ तीन नगरीय निकायों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी। तीनों शहरों के कुल 17 हजार परिवारों को इसका लाभ मिलेगा।

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर क्षेत्रवासियों की यह बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। उनके निर्देश पर लोरमी, मुंगेली और तखतपुर के लिए रॉ-वाटर तथा लोरमी शहर के लिए जल शोधन एवं वितरण व्यवस्था के लिए सुडा ने केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत इस योजना की मंजूरी दी है। इस योजना से लोरमी नगर पालिका के नागरिकों को 24×7 शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। योजना को साकार करने पूरे नगर में विस्तृत एवं वृहद सर्वे जलप्रदाय सर्वे विशेषज्ञ एजेंसी द्वारा किया गया है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बताया कि लोरमी, मुंगेली और तखतपुर के लोगों की बहुत पुरानी मांग थी कि उनके शहर के लिए शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इस योजना से उनकी बरसों पुरानी मांग पूरी होने जा रही है। शुद्ध पेयजल प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। इसे उपलब्ध कराना नगरीय निकायों का दायित्व भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांयोजना मिशन अमृत 2.0 के तहत यह योजना स्वीकृत की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह योजना लोरमी नगर के लिए मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही मुंगेली और तखतपुर में भी इससे पेयजल आपूर्ति की समस्या खत्म हो जाएगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने योजना के बारे में बताया कि खुड़िया जलाशय से लोरमी, मुंगेली और तखतपुर को रॉ-वाटर देने के लिए 75 किलोमीटर की पाइपलाइन बिछाई जाएगी। लोरमी में पेयजल आर्वधन के लिए 8.5 एमएलडी क्षमता का जल शोधन संयंत्र स्थापित किया जाएगा। लोरमी शहर में शुद्ध पेयजल प्रदान करने के लिए आठ किलोमीटर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। साथ ही हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए 80 किलोमीटर वितरण लाइन भी बिछाई जाएगी। योजना के तहत तीन नए उच्च स्तरीय जलागार का भी निर्माण किया जाएगा।लोरमी, मुंगेली और तखतपुर शहर में पानी पहुंचाने के लिए लोरमी विकासखंड के खुड़िया जलाशय से पंप के द्वारा पानी जलाशय से तीन किलोमीटर दूर कारीडोंगरी लाया जाएगा, जहां निर्मित जलागार में जल को एकत्रित किया जाएगा। जलागार से पानी गुरूत्वाकर्षण पद्धति (ग्रेविटी सिस्टम) से कुल 70 किलोमीटर की दूरी तय कर लोरमी, मुंगेली और तखतपुर पहुंचेगा, जहां से पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। इस पद्धति में किसी भी प्रकार की मशीनरी का उपयोग नहीं किया जाएगा।

चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ की सुरक्षा उपायों के लिए निर्देश

बिलासपुर। बिलासपुर संभाग में संचालित सभी चिकित्सा संस्थाओं में कार्यरत स्टाफ की सुरक्षा उपायों पर क्रियान्वयन के लिए संभागायुक्त डॉ. महादेव कावरे और आईजी संजीव शुक्ला की अध्यक्षता में बैठक वीसी के जरिए गुरुवार को कमिश्नर कार्यालय में हुई। बैठक में एसपी रजनेश सिंह, सिम्स के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह, सहित अन्य लोग मौजूद थे। संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर-एसपी ,चिकित्सा महाविद्यालय के डीन और पदाधिकारी वीसी के जरिए शामिल हुए। संभागायुक्त ने चिकित्साकर्मियों को प्राप्त कानूनी संरक्षण को प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने, सुरक्षा और हिंसा रोकथाम के लिए समितियों का गठन करने, चिकित्सा संस्थानों में प्रवेश पर नियंत्रण, चिकित्सा कर्मियों के लिए सुरक्षा प्रावधान, पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था एवं निगरानी, रात्रिकालिन सुरक्षागश्त, चौबीसों घंटे सुरक्षा नियंत्रण कक्ष की स्थापना, यौन उत्पीड़न घटना की रोकथाम के लिए गठित आंतरिक समिति के बेहतर संचालन करने, चिकित्सा संस्थानों में पुलिस चौकी की स्थापना आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

निधन

छोटेलाल घोरमोड़े

रायपुर। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि सेवानिवृत्त व्याख्याता श्री छोटेलाल घोरमोड़े (घोरमोड़े गुरुजी) का आज दिनांक 09 जनवरी, गुरुवार एकादशी तिथि को स्वर्गवास हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 10 जनवरी, शुक्रवार को दोपहर 12 बजे निवास स्थान पंडरीतराई रायपुर से निकलेगी। उनका अंतिम संस्कार देवेन्द्रनगर मुक्तिधाम में संपन्न होगा। वे श्रीमती इन्दु घोरमोड़े के पति, रुपेश घोरमोड़े (शिक्षक), उमेश घोरमोड़े (प्रदेश प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी) और सरिता जोशी एवं लता रावते के पिता थे।

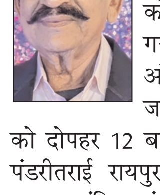

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.